RNI NO. MPHIN/2016/69135

दैनिक लोकप्रदेश

वर्ष-10 | अंक-109 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शुक्रवार 8 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

सुवेंदु बोले-

मैंने ममता को हराया इसीलिए पीए की हत्या

चंद्रनाथ की मां बोलीं- हार का बदला बेटे से लिया; हत्या में इस्तेमाल बाइक मिली

कोलकाता। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उनके पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने ममता को हराया है। सुवेंदु ने कहा- इस हत्या को जिस तरह से अंजाम दिया गया, उसकी जितनी भी निंदा करें वह कम है। हत्या की वजह भवानीपुर से ममता की हार हो सकती है। उधर चंद्रनाथ की मां ने कहा कि इस हार का बदला मेरे बेटे की हत्या कर लिया गया। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद कोई बचा नहीं पाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि रथ को चार गोलियां लगीं थीं। इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं हत्या में इस्तेमाल की गई बाइक मिल गई है।

चंद्रनाथ की कार पर गोलियों की बौछार, हमलवार तुरंत फरार

चंद्रनाथ की हत्या बुधवार देर रात 10.30 बजे की गई थी। वे कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर लौट रहे थे। कोलकाता से करीब 20 द्मद्व दूर डोलतला में एक कार रथ की स्कॉर्पियो के सामने खड़ी हो गई। इसी बीच बाइक पर आए हमलावरों ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर पालिक निगम भोपाल के नवीन मुख्यालय भवन का किया लोकार्पण

भोपाल नगर निगम का नवीन भवन बनेगा सुशासन का प्रतीक:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपालवासियों को भोपाल नगर निगम के नवीन मुख्यालय भवन की बधाई देते हुए कहा कि देश की क्लीन और ग्रीन कैपिटल, झीलों की नगरी भोपाल के नगर निगम का यह भवन सुशासन का प्रतीक बनेगा। भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई ने जन सेवा को शासन का आधार माना था। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के नाम पर स्थापित अटल भवन सुलभ, सुव्यवस्थित और पारदर्शी सेवाओं का केंद्र होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल नगर पालिक निगम के नवनिर्मित मुख्यालय अटल भवन के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक भवन शहर में सुशासन, बेहतर नागरिक सुविधाओं और विकास के नए संकल्प का प्रतीक बनेगा।

स्वच्छता शपथ पटल पर लिखा संदेश- भोपाल रहेगा स्वच्छता में नंबर-वन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर पालिक निगम भोपाल के नवनिर्मित भवन में फीता खोलकर भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने भवन की शिलापट्टिका का अनावरण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनिर्मित भवन का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता शपथ पटल पर लिखा कि भोपाल स्वच्छता में रहेगा नंबर-वन।

भोपाल को मेट्रोपॉलिटिन सिटी के रूप में किया जा रहा है विकसित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल नगर पालिक निगम का यह भवन ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर आधारित है। इस भवन का आकल्पन नागरिकों को सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है। भवन में सूर्य के प्रकाश और वेंटीलेशन की पर्याप्त व्यवस्था है, जो ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित भारतीय यह भवन अपनी ऊर्जा की आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं करेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के निर्णयों से आम भारतीय का विश्वास बढ़ा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में धर्म-संस्कृति के गौरव का काल चल रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के धाम की स्थापना हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम या फिर पड़ोसी देशों के कुत्सित इरादों के बढ़ा है। धारा 370 के बाद कश्मीर में बदलाव आया है और अब कश्मीर के लोग भी भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर देश के दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए तैयार है।

ऑपरेशन सिंदूर का एक साल/पीएम मोदी ने सोशल मीडिया डीपी बदली, ऑपरेशन का लोगो लगाया, लिखा-

देश सेनाओं के शौर्य को सलाम करता है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी डिस्प्ले पिक्चर बदलकर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो लगाया है। यह पहल पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किए गए सैन्य ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना के साहस को ट्रिब्यूट देने के लिए की गई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। 7 मई 2025 को लॉन्च किए गए ऑपरेशन सिंदूर में, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ बड़े आतंकी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया था। इस दौरान लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन की सुविधाओं को निशाना बनाया गया।

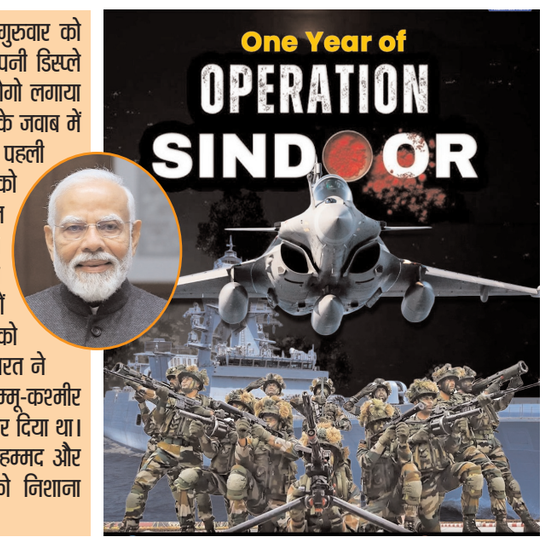

100 से ज्यादा पाकिस्तानी जवान मारे गए थे

सेना बोली-आतंकवाद से लड़ते रहेंगे, हमारी कार्रवाई में नरमी की गुंजाइश नहीं होती

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। जयपुर में गुरुवार को भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुख साउथ वेस्टर्न कमांड में जुटे। सेना की ओर से जानकारी दी गई कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 100 से ज्यादा जवानों और टेररिस्ट कैंप में 100 से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई है।

ऑपरेशन के लिए पूरी छूट दी गई थी

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा- पहलगाम हमले में मारे गए हमारे भाई-बहनों को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसा हमला दोबारा न हो। उन्होंने कहा कि हमारा ऑब्जेक्टिव क्लियर था और ऑपरेशन के लिए पूरी छूट दी गई थी। एयर मार्शल अवधेश कुमार बोले- हम हमेशा जिओ और जीने दो के सिद्धांत के साथ जीते हैं। जब हमारी शांति की इच्छा को कमजोरी समझ लिया जाए और हमारी चुप्पी को हमारी अनुपस्थिति मान लिया जाए, तो कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

हर धार्मिक प्रथा को चुनौती ठीक नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म के मामलों को अदालत में चुनौती देने लगेंगे, तो इससे धर्म और समाज पर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इससे सैकड़ों याचिकाएं आएंगी और हर रिवाज पर सवाल उठने लगेंगे। यह टिप्पणी नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय का केस भी शामिल है।जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाएगा, तो भारतीय समाज पर असर पड़ेगा, उन्होंने कहा, हर अधिकार पर सवाल उठेंगे-मंदिर खुलने या बंद होने तक के मामले कोर्ट में आएंगे।

इससे धर्म और समाज दोनों टूट जाएंगे, अदालतों में सैकड़ों केस आएंगे

जंग खत्म करने की तैयारी: आगे बढ़ी ईरान-अमेरिका वार्ता, युद्धविराम पर जल्द बन सकती है सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संकट को खत्म करने की दिशा में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में बड़ी प्रगति होती दिखाई दे रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान गुरुवार को मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका के उस प्रस्ताव पर अपना जवाब दे सकता है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय संकट का समाधान निकालना और तनाव को पूरी तरह समाप्त करना है।

दोनों एक प्रारंभिक समझोते की दिशा में आगे बढ़ रहे

सूत्रों के अनुसार, तेहरान अभी भी अमेरिका समर्थित प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, लेकिन दोनों पक्ष संभावित समझौते के काफी करीब पहुंचते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच जारी बातचीत एक प्रारंभिक समझौते की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे मौजूदा संकट को रोका जा सके और व्यापक परमाणु वार्ता का रास्ता तैयार हो सके।

क्या है प्रस्तावित समझौते का उद्देश्य?

रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित समझौता एक 14 बिंदुओं वाले एक पन्ने के मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर आधारित है। इसका उद्देश्य तत्काल युद्धविराम लागू करना और अगले 30 दिनों के भीतर व्यापक समझौते के लिए बातचीत शुरू करना है। प्रस्ताव के तहत ईरान अस्थायी रूप से अपने परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को रोक सकता है। इसके बदले अमेरिका ईरान पर लगे कुछ प्रतिबंध हटाने और ईरानी संपत्तियों में फंसे अरबों डॉलर को जारी करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। साथ ही दोनों देश होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम करने और समुद्री आवाजाही को आसान बनाने की दिशा में भी काम करेंगे।

118 विधायक लाओ, तभी होगी शपथ

अड़े तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र, विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा

नई दिल्ली। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा।

टीवीके के पास कितनी सीटें?

दरअसल, 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया था। हालांकि विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं और नियमों के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी।

विजय ने सरकार बनाने का दावा किया था पेश

बुधवार को विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों का कहना है कि राज्यपाल ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल समर्थन पत्र या मौखिक दावे पर्याप्त नहीं होंगे।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

900 करोड़ घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान में जल जीवन मिशन घोटाले की जांच में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार कर लिया है। करीब 900 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में यह कार्रवाई की गई है। आरोप है कि मंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार कर रिश्वत ली थी। इससे पहले अप्रैल 2025 में प्रवर्तन निदेशालय ने भी महेश जोशी को इसी मामले में गिरफ्तार किया था। उस समय उन्होंने खुद पर लगे आरोपों को गलत बताते हुए कहा था कि उन्होंने कोई गड़बड़ी नहीं की और न ही कोई पैसा लिया। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें 3 दिसंबर 2025 को जमानत मिली थी। एसीबी को जांच के दौरान कुछ संदिग्ध ईमेल आईडी से महत्वपूर्ण लीड मिली थी। इन्हीं के आधार पर अधिकारियों और ठेकेदारों की कथित मिलीभगत का खुलासा हुआ। अब तक इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

22 अधिकारियों समेत दर्ज हुई थी एफआईआर

एसीबी ने इस मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित 22 अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इनमें जल जीवन मिशन से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी और इंजीनियर शामिल हैं। जांच एजेंसी का आरोप है कि फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर टेंडर जारी कर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया गया।

खुलासा | माइक्रोप्लास्टिक्स वायुमंडल में गर्मी सोखकर ग्लोबल वार्मिंग बढ़ा रहे हैं, रंगीन व काले प्लास्टिक ज्यादा खतरनाक

प्लास्टिक के नन्हे कण धरती को बना रहे हैं और ज्यादा गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)

हाल ही में हुए एक नए रिसर्च ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। अब तक हम जानते थे कि प्लास्टिक प्रदूषण हमारे समुद्रों, नदियों और मिट्टी को नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि प्लास्टिक के सूक्ष्म कण जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक्स कहा जाता है, हमारे वायुमंडल को गर्म करने में भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

नेचर क्लाइमेट चेंज जर्नल में छपा रिसर्च यह बताता है कि हवा में तैरते ये नन्हे कण सूरज की रोशनी को सोख रहे हैं, जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। खास तौर से रंगीन माइक्रोप्लास्टिक्स सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स प्लास्टिक के वे छोटे टुकड़े होते हैं जिनका आकार 5 मिलीमीटर से भी कम होता है। ये अक्सर बड़े प्लास्टिक कचरे के टूटने या घिसने से बनते हैं। हमारे कपड़ों, कॉस्मेटिक्स और टायरों के घिसने से निकलने वाले ये कण आज हवा में हर जगह मौजूद हैं। ड्यूक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. शिंडेल के अनुसार, वायुमंडल में मौजूद ये कण दो तरह से काम करते हैं- या तो ये सूरज की रोशनी को वापस अंतरिक्ष में रिफलेक्ट कर देते हैं, जिससे ठंडक होती है। (शेष पेज 8 पर)

कोयले के पावर प्लांट्स और प्रदूषण से तुलना

वैज्ञानिकों ने माइक्रोप्लास्टिक्स के प्रभाव की तुलना ब्लैक कार्बन या कालिख से की है, जो जीवाश्म ईंधन के जलने से पैदा होती है। वायुमंडल में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक्स, ब्लैक कार्बन द्वारा होने वाली गर्मी का लगभग छठा हिस्सा पैदा कर रहे हैं। प्रोफेसर शिंडेल का कहना है कि एक साल में निकलने वाले माइक्रोप्लास्टिक्स का वैश्विक प्रभाव लगभग 200 कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों के बराबर है। हालांकि यह कारों या बड़ी इंडस्ट्रीज के मुकाबले कम लग सकता है, लेकिन यह इतना भी कम नहीं है कि इसे नजरअंदाज कर दिया जाए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि प्लास्टिक दशकों तक नष्ट नहीं होता, जिसका मतलब है कि इसके दीर्घकालिक परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं।

रंगीन व काले प्लास्टिक गर्मी सोखने वाले सबसे बड़े दुश्मन

चीन की फुदान यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में पाया कि प्लास्टिक का रंग यह तय करने में बहुत महत्वपूर्ण है कि वह कितनी गर्मी पैदा करेगा। काले, पीले, नीले और लाल रंग के माइक्रोप्लास्टिक्स सफेद या पारदर्शी कणों की तुलना में सूरज की रोशनी को बहुत तेजी से सोखते हैं। स्टडी में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि रंगीन और काले प्लास्टिक के कण बिना रंग वाले प्लास्टिक की तुलना में 75 गुना ज्यादा गर्मी सोखते हैं। जैसे-जैसे ये कण पुराने होते हैं, वायुमंडल में मौजूद अन्य रसायनों के संपर्क में आते हैं, उनकी गर्मी सोखने की क्षमता और भी बदल जाती है, जो जलवायु के लिए एक अनजाना खतरा है।

जनगणना कार्य में लापरवाही पड़ी भारी, चार्ज अधिकारियों, पर्यवेक्षकों व प्रगणकों को शोकॉज

■ कई क्षेत्रों में नहीं प्रारंभ हुआ कार्य, रिपोर्ट में पाई गई अत्यंत धीमी गति

नगर संवाददाता, सतना।

नगर पालिक निगम सतना में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत संचालित मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। नगर जनगणना अधिकारी द्वारा ऐसे सभी चार्ज अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जिनके क्षेत्रों में अब तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ अथवा अत्यंत

धीमी गति से संचालित पाया गया। डॉ.शेर सिंह मीना मुख्य नगर जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त नगर पालिक निगम की समीक्षा में सामने आया कि कुल 433 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में से केवल 78 पर ही कार्य प्रारंभ हो सका है, जबकि शेष स्थानों पर अब तक कार्य शुरू तक नहीं किया गया। मुख्य नगर जनगणना अधिकारी ने इसे गंभीर लापरवाही, कर्तव्य के प्रति उदासीनता एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की खुली अवहेलना माना है।

बेहद खराब है प्रदर्शन

गौरतलब है कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य 1 मई से 30 मई तक निर्धारित है। समयसीमा के बावजूद कार्य की बेहद खराब प्रगति पर मुख्य नगर जनगणना अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई है। मुख्य नगर जनगणना अधिकारी के निर्देश पर नगर जनगणना अधिकारी एवं उपायुक्त नगर पालिक निगम सत्यम मिश्रा द्वारा जारी नोटिस में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बताएं 7 दिनों की कार्ययोजना

साथ ही पूछा गया है कि निर्धारित समयावधि के बावजूद कार्य प्रारंभ क्यों नहीं किया गया तथा लक्ष्य पूर्ण करने के लिए अब तक क्या प्रयास किए गए एवं समयसीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु आगामी 7 दिवस की कार्ययोजना बताएं। नगर जनगणना अधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने अथवा तत्काल कार्य में सुधार नहीं दिखने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।

संक्षिप्त समाचार

जिला कांग्रेस शहर में मंडलम अध्यक्ष घोषित

सतना। जिला कांग्रेस शहर की कार्यकारिणी के बाद जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दिकी ने शहर के तीन ब्लाक में 17 मंडलम अध्यक्षों की प्रदेश संगठन महासचिव संजय कमले के अनुमोदन के पश्चात नियुक्ति की गई है। जिसमें धवारी ब्लॉक सकत्तर कुशवाहा (बगहा, सिविल लाइन), राहुल सिंह (अमौधा कला), असलम कुरैशी(राजेंद्र नगर), केपी पाल (महादेवा जवाहर नगर), अजय सिंह राठौड़ (प्रेम नगर धवारी), शरद सिंह पम्मू (मुख्तियारगंज), नई बस्ती ब्लॉक श्रवण कुमार कुशवाहा (भरहुत नगर), विष्णु सिंह (घूरडाग), नत्थू वाल्मीक (बांधवगढ़), जितेन्द्र अवतानी (सिंधी कैंप), सुखेन्द्र वर्मा (कृपालपुर), शहर ब्लॉक में शंकर गाजरानी (पुष्पराज कॉलोनी), अंकुर सेठ (पानीलाल चौंक), रशीद (नजीराबाद), रविकांत कुशवाहा (बांसनाका), रामचन्द्र गुप्ता (टिकुरिया टोला), राहुल सिंह तिवारी (कृष्ण नगर) की नियुक्ति की गई है।

■ तीन ब्लाक में 17 कार्यकर्ताओं को मिली अध्यक्षी

मानवता में एकजुटता, मानवता के लिये संगठित थीम पर होगा आयोजन

सतना। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 8 मई को रेडक्रास के जन्मदाता हेनरी ड्यूनांट का जन्मदिवस पूरे विश्व में रेडक्रास दिवस के रूप में मनाया जाएगा, इस वर्ष की थीम (मानवता में एकजुटता / मानवता के लिये संगठित है, यह कार्यक्रम जिला रेडक्रास इकाई सतना जिला चिकित्सालय परिसर में सायं 4.30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान वर्ष 24-25 के आजीवन सदस्यों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जावेगा। रेडक्रास सेवा सप्ताह के अंतर्गत 2 से 7 मई तक रेडक्रास द्वारा जन हितैषी विभिन्न कार्यक्रम जैसे वृद्ध जनों हेतु शिविर, नशा मुक्ति जागरूकता रैली, निरोगी काया अंतर्गत महिला स्वास्थ्य स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम, क्षय रोग से ग्रसित मरीजों की कार्यशाला, सी.पी. आर ट्रेनिंग इत्पादि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सेमरिया चौराहे में हुई नाले की सफाई

सतना। शहर के सेमरिया चौराहा में नाला की सफाई का काम नगर निगम के द्वारा कराया गया। सुबह नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और चैन माउंटेन मशीन से गहन सफाई कर नाला से कचरा निकाला गया। इस दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ,दरोगा, इंस्पेक्टर और सिपाही भी उपस्थित रहे।

[लापरवाही] नजर हटी दुर्घटना घटी के स्लोगन पर जिम्मेदारों ने फेर रखी हैं आंखे

शहर में विजुअल पॉल्यूशन का ग्राफ बढ़ा वाहन चालक हो रहे हादसे का शिकार

नगर संवाददाता, सतना।

नजर हटी दुर्घटना घटी ये स्लोगन शहर में कई जगह देखने पढने मिल जाएंगे, लेकिन हकीकत ये है कि नजर न हटे इसके लिए कोई प्रयास नहीं कर रहा है। जिम्मेदारों ने तो नजरें ही फेर रखी हैं। जिससे इस शहर में विजुअल पॉल्यूशन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका खामियाजा यहां की सडक़ों पर चलने वाले आम लोगों को अपने हाथ पैर की हड्डिया और गाड़ी तुड़वाकर भुगतना पड़ रहा है। गली चौराहो पर लगे आकर्षक विज्ञापनों के चलते विजुअल पॉल्यूशन जमकर बढ़ रहा है। जो कुछ सेकेंडों में वाहन चालकों को दुर्घटना का शिकार बना रहे हैं। शहर के मुख्य चौराहों, सडक़ो से लेकर गली मोहल्लों को एडवरटाजिंग का अड्डा बना दिया गया है।

ठेंगा दिखाकर बढ़ा दृश्य प्रदूषण- बताया गया कि अधिकतर रोड एक्सीडेंट की वजह विजुअल पॉल्यूशन है। जबकि ऐसी कार्रवाई सिर्फ आचार संहिता तक सिमट कर संपत्ति विरुपण अधिनियम तक सीमित रह जाती है। जानकारों के अनुसार विजुअल पॉल्यूशन (दृश्य प्रदूषण) एक तरह का दृष्टि भ्रमित कर ध्यान राहगीरों के ध्यान को भटकाने का काम करता है। इसमें गली, चौराहों पर लगने वाले मनमोहक दृश्यों व बड़े-बड़े होर्डिंग, फ्लैक्स, बैनर आदि शामिल हैं। इसके कई तरह के नुकसान हैं। जिनमें प्रमुख तौर पर रोड एक्सीडेंट आते हैं। जो राहगीरों का थोड़ा सा ध्यान भटकने पर ही असर दिखा देता है।

अधिकतर एक्सीडेंट में ध्यान भटकने की बात

जानकारों के अनुसार शहर के भीतर होने वाले अधिकतर रोड एक्सीडेंट में आकर्षक विज्ञापनों के होर्डिंग जिम्मेदार रहे हैं। लोगों का ध्यान भटकरने से उनके वाहन भिड़े या किसी अन्य ने उन्हें टक्कर मार दी। विजुअल पॉल्यूशन एक तरह से राहगीरों के ध्यान को भटकाने का काम करता है। चटख रंगों व आकर्षक लाइटिंग वाले बोर्ड लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ही लगाए जाते हैं। ये यातायात के लिए बहुत घातक हैं। इससे लोगों के ध्यान की एकाग्रता में भी कमी आती है। रोड या मुख्य चौराहों पर होने वाली वाहनों की भिड़त या अन्य दुर्घटनाएं विजुअल पॉल्यूशन के कारण ही हो रही हैं। क्योंकि आजकल का जो एड वर्ल्ड ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित करने पर ही जोर दे रहा है। विजुअल पॉल्यूशन के चलते लोगों में ध्यान एकाग्र करने की क्षमता कमजोर होने के साथ मन को अस्थिर कर रहा है।

नहीं कोई नियम नीति, मनचाहे लगा रहे एडवारटाजिंग

शहर में कहने को तो होर्डिंग नीति लागू है। नियमानुसार सडक़ों के बीच या आसपास किसी भी तरह के प्रचार प्रसार की सामग्री को इस तरह से लगाया जाना चाहिए कि इससे वाहन चालकों को परेशानी न हो। ज्यादा लाइट वाले या सामने से अदृश्यता पैदा करने वाले नहीं होना चाहिए। किंतु इन सब बेसिक बातों को दरकिनार कर होर्डिंग माफिया मनमर्जी से एडवरटाइजिंग कर रहा है। जिससे अधिकतर राहगीर उनके होर्डिंग या विज्ञापन को देखने के चक्कर में दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

समूचा शहर अटा पड़ा

फ्लैक्स बैनरों से पूरा शहर अटा पड़ा है। जिसे जहां मर्जी आती है अपना बधाई संदेश लगाकर चला जाता है। कई चौराहे और गलियां तो ऐसी हो गई हैं कि आमने सामने के वाहन चालक एक दूसरे को देख ही नहीं सकते हैं। संपत्ति विरुपण अधिनियम के तहत इन्हें हटाया जा सकता है, लेकिन नगर निगम की कार्रवाई केवल आचार संहिता तक सिमटकर रह गई है। इसके बाद शहर में कार्रवाई होती ही नहीं है।

[निर्देश] अधूरी एकल नलजल योजनाओं को 30 जून तक पूरा कराएं- कमिश्नर

उपार्जित गेंहू का दो दिनों में 90 प्रतिशत परिवहन कराएं

■ लापरवाही करने पर करें कड़ी कार्रवाई

■ अधूरी नल जल योजनाओं को 30 जून तक करें पूरा

नगर संवाददाता, सतना।

रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन पर विशेष ध्यान दें। उपार्जित गेंहू का दो दिनों में 90 प्रतिशत उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। स्वीकृति पत्रक तत्काल जारी कराकर किसानों को तीन दिवस में भुगतान कराएं। गेंहू के परिवहन में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। पेयजल व्यवस्था की नियमित मानीटरिंग करें।

पेयजल से संबंधित आवेदन पत्रों का 24 घंटे में निराकरण कराएं। सभी जिलों को राइजर पाइप तथा सिंगल फेज मोटर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करा दिए गए हैं। इनका आवश्यकता के अनुसार उपयोग करके पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। अधूरी नलजल योजनाओं को 30 जून तक पूरा कराएं।

स्वास्थ्य सुविधाओं को करें दुरूस्त

कमिश्नर ने कहा कि सतना जिले स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने तथा स्वास्थ्य सूचकांकों के सुधार पर विशेष ध्यान दें। बैठक में कमिश्नर ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन तथा नियमित जाँच, कुपोषण पर नियंत्रण, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, वनाधिकार के निरस्त दावों के सत्यापन, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

जल गंगा संर्वधन की प्रगति संतोष जनक नहीं

कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं है। अभियान के लिए बनाई गई कार्ययोजना के अनुरूप शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य कराएं। अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनों की भी भागीदारी सुनिश्चित करें। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल संरक्षण कार्यों में व्यय राशि पोर्टल पर तत्काल अपलोड कराएं। जल संरक्षण से जुड़े सभी कार्यों की फोटो और विवरण भी अभियान के पोर्टल पर अपलोड कराएं।

अस्पताल मार्ग के सामने से खदेड़े गए अतिक्रमणकारी

नगर संवाददाता, सतना।

शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या अब आम हो चुकी है। शहर में अतिक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है, बाजार, सड़क व अन्य स्थानों के अलावा अब इसकी चपेट में जिला अस्पताल भी आ चुका है। इंदिरा कॉलेज से जिला अस्पताल पहुंचने की डगर बहुत ही कठिन हो जाती है। आए दिन एम्बुलेंस इस जाम में फंसी नजर आती है। मरीज को छोड़ने जिला अस्पताल के में गेट पहुंचते-पहुंचते एम्बुलेंस को घंटो समय लग जाता है। जिला अस्पताल के सामने का अतिक्रमण हटाने सिविल सर्जन द्वारा नगर निगम आयुक्त को पत्राचार भी किया गया था। जिसके बाद बुधवार को निगम प्रशासन के अतिक्रमण दस्ता दल ने कार्रवाई करते हुए कई ठेला गुमटियों वालों को खदेड़ दिया है। इसके साथ ही कई जगह से सामग्री जब्त की गई है।

ठेले वालों का रहता है कब्जा

गर्ल्स कॉलेज के सामने पूर्व से चाट-फुलकी और कपडे वालों ने कब्जा कर रखा है।स्थिति यह है कि फेरी वालों के द्वारा बिजली के ट्रांसफार्मरों की तारों के नीचे कपडे तक सजाये रहते हैं। निगम प्रशासन के करवाई के बाद हालात फिर जस के तस हो जाते हैं।

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए 9 को नेशनल लोक अदालत

■ संपत्ति एवं जल कर के सरचार्ज में मिलेगी 100 प्रतिशत तक की छूट

नगर संवाददाता, सतना।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 9 मई शनिवार को जिला न्यायालय एवं तहसील के व्यवहार न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का वृहद स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। नागरिकों के कल्याण और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। नेशनल लोक अदालत में नागरिकों को विशेष सुविधा प्रदान करते हुए संपत्ति कर, जल कर एवं अन्य उपभोक्ता कर के लंबित प्रकरणों में देय अधिभार (सरचार्ज) पर 100 प्रतिशत तक की अभूतपूर्व छूट प्रदान की जा रही है। योजना के प्रावधानों के अंतर्गत 50 हजार रुपये तक के संपत्ति कर और 10 हजार रुपये तक के जल कर की बकाया राशि वाले प्रकरणों में सरचार्ज पूर्णतः माफ किया जाएगा।

दो आसान किश्तों में जमा करने की सुविधा

इस योजना का लाभ प्राप्त करने वाले नागरिकों को छूट के उपरांत शेष राशि अधिकतम दो आसान किश्तों में जमा करने की सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन ही जमा करना अनिवार्य होगा। राज्य शासन ने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस नेशनल लोक अदालत में सहभागिता कर अपने लंबित प्रकरणों का निराकरण करवाएं और शासन द्वारा प्रदाय की जा रही इस विशेष छूट का अधिकतम लाभ उठाएं। लोक अदालत के माध्यम से नगरीय निकायों के लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं सुलभ निराकरण किया जाएगा, जिससे आमजनों को व्यापक राहत मिलेगी। शासन की इस जन-कल्याणकारी पहल से नागरिकों को न केवल करों के भारी बोझ से मुक्ति प्राप्त होगी, बल्कि इसके फलस्वरूप नगरीय निकायों को भी एकमुश्त राजस्व की प्राप्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

उचेहरा बालिका छात्रावास का सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

नगर संवाददाता, सतना।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह द्वारा बुधवार को उचेहरा स्थित नेताजी सुभाषचन्द्र बोस बालिका छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बाउन्ड्री वाल निर्माण के संबंध में अतिक्रमण नहीं पाया गया। छात्रावास में 200 मीटर बाउन्ड्री वाल का निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसके लिए 16 लाख रूपये स्वीकृत है। सीईओ ने छात्रावास के भवन और सामग्री की उपलब्धता का भी अवलोकन भी किया। इस मौके पर डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, सहायक यंत्री और उपयंत्री उपस्थित रहे।

आज से शुरू होंगी बोर्ड की द्वितीय परीक्षाएं

सतना। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 का आयोजन 7 मई से किया जाएगा। परीक्षाएं प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगी। जिला शिक्षा अधिकारी गिरीश अग्निहोत्री ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा की गोपनीय सामग्री सतना जिले में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-01 से तथा मैहर जिले में शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से सुबह 11 बजे केन्द्राध्यक्षों को वितरित की जाएगी। सतना जिले में कुल 15 परीक्षा केंद्र बनाये गये है। जिनमें कक्षा 10वीं के 4465 परीक्षार्थी एवं कक्षा 12वीं के 4148 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसी प्रकार मैहर जिले में 8 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं।

उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

■ कलेक्टर ने किया खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण

नगर संवाददाता, सतना।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बुधवार को रैगांव के रेउरा फार्म और नागौद के सिंहपुर सहित अन्य उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गेहूं उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। साथ ही उन्होंने किसानों को केन्द्रों पर बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने खरीदी केन्द्रों में मौजूद किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो एवं उपज विक्रय के लिए इंतजार न करना पड़े इसके लिये किसानों को जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा उपलब्ध है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाएं आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं। स्लॉट बुकिंग की तारीख बढ़ाकर 23 मई कर दी गई है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे खरीदी केंद्र में साफ-सुथरा गेंहू लायें।

ये रहे मौजूद- इस मौके पर पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, एलआर जांगडे, जिला खाद्य अधिकारी सम्यक जैन सहित संबंधित अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

[खेल] आईएमए ने किया बैडमिंटन टूर्नामेंट का सफल आयोजन

सीनियर डॉक्टर्स ने दिखाया दम, जूनियर्स भी नहीं रहे कम

नगर संवाददाता, सतना।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम में भव्य बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 52 डॉक्टर्स एवं परिवारजनों के कुल 12 ग्रुपों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें कुल 34 मैच खेले गए। इस आयोजन के मुख्य अतिथि रोटेरियन अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व पीडब्लूडी आफिसर चंद्रकांत कुम्हारे रहे। इस आयोजन के संयोजक डॉ. निशांत कुम्हारे ने प्रतियोगिता के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईएमए अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल एवं सचिव डॉ. आलोक खन्ना के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सुचारु रूप से आयोजन किया गया। जिसमें डॉ आरके नेमा, डॉ हेमंत पाण्डेय, डॉ आरएस त्रिपाठी, डॉ डीके तिवारी, डॉ जीपी सिंह, डॉ केएल नामदेव, डॉ आरके मिश्रा, डॉ नवीन कालरा, डॉ विपिन दुबे, डॉ सारिका कालरा, डॉ ललित गुप्ता, डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ प्रतिभा दुबे, डॉ संजीव प्रजापति, डॉ मनोज प्रजापति, डॉ इमरान खान, डॉ प्रतिमा कुम्हारे, डॉ श्रद्धांश अग्रवाल के साथ-साथ बड़ी संख्या में डॉक्टर्स एवं परिवारजन उपस्थित रहे। अंत में विजेताओं एवं उपविजेताओं को सम्मानित किया गया।

ऐसा रहा परिणाम

सुपर सीनियर सिंगल्स में स्वर्ण पदक डॉ. आरके मिश्रा एवं रजत पदक डॉ. हेमंत पांडे ने प्राप्त किया। सुपर सीनियर डबल्स में स्वर्ण डॉ. आरके मिश्रा एवं डॉ. आरके जैन तथा रजत डॉ. आरके नेमा एवं डॉ. आरएस त्रिपाठी को मिला। सीनियर पुरुष सिंगल्स में स्वर्ण डॉ. ललित गुप्ता एवं रजत डॉ. राकेश अग्रवाल रहे। सीनियर महिला सिंगल्स में स्वर्ण डॉ. सुनीता गुप्ता एवं रजत डॉ. रोली खन्ना को प्राप्त हुआ। पुरुष सिंगल्स में स्वर्ण डॉ. अभिनव श्रीवास्तव एवं रजत डॉ. संजीव प्रजापति रहे। पुरुष डबल्स में स्वर्ण डॉ. अभिनव श्रीवास्तव एवं ईशान पांडे तथा रजत डॉ. आनंद गुप्ता एवं डॉ. मनोज प्रजापति को मिला। महिला सिंगल्स में स्वर्ण डॉ. सपना सिंह एवं रजत डॉ. सुषमा खान रहीं। मिक्स्ड डबल्स में स्वर्ण डॉ. मनोज प्रजापति एवं डॉ. सपना सिंह तथा रजत डॉ. प्रतिमा कुम्भारे एवं डॉ. निशांत कुम्भारे को प्राप्त हुआ। जूनियर सिंगल्स में स्वर्ण प्रांशु कुम्भारे एवं इनाया खान तथा रजत तनिष्क कुम्भारे एवं स्तुति अवस्थीया रहे। जूनियर मिक्स्ड डबल्स में स्वर्ण इनाया एवं तनिष्क तथा रजत प्रांशु एवं स्तुति को मिला।

संक्षिप्त समाचार

संभाग में अब तक 240558 टन हुई गेंहू की खरीद

रीवा। संभाग में अब तक 58538 किसानों से 240558 टन गेंहू की खरीद की गई है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि संभाग में 334 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। उपार्जन के लिए अब तक 118509 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। रीवा जिले में 17985 किसानों से 68067 टन तथा सतना जिले में 22769 किसानों से 109904 टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। सीधी जिले में 3821 किसानों से 10435 टन तथा सिंगरौली जिले में 3979 किसानों से 9924 टन गेंहू की खरीद की गई है। इसी तरह मऊगंज जिले में 1993 किसानों से 6843 टन तथा मैहर जिले में 8091 किसानों से 35385 टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। उपार्जित गेंहू में से 53 प्रतिशत का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण करा दिया गया है। गेंहू उपार्जन के लिए पंजीकृत किसान 23 मई तक स्लॉट बुक कर सकते हैं।

कलेक्टर ने रेंजर को दिया नोटिस

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सिरमौर रेंज के रेंजर अरूण शुक्ला को कारण बताओ नोटिस दिया है। लोक सेवा गारंटी योजना 2010 के तहत वन्य प्राणियों से जनहानि में राहत राशि भुगतान का प्रकरण लंबित रहने के कारण नोटिस दिया गया है। तय समय सीमा 31 मार्च के बाद भी प्रकरण निराकृत नहीं हुआ है। प्रकरण का तीन दिन में निराकरण न होने पर अधिनियम के प्रावधानों के तहत जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

[रिश्वत] आदेश की कॉपी के एवज में अपचारी कर्मचारी ने की थी 20 हजार की डिमांड

एसडीएम का बाबू 15 हजार रुपए घूस लेते हुआ ट्रेप

■ लोकायुक्त रीवा ने ब्यौहारी में की कार्रवाई, मचा हड़कंप

रीवा, नगर संवाददाता।

लोकायुक्त रीवा ने आज फिर एक अपचारी कर्मचारी को रिश्वतखोरी में ट्रेप किया है। एसडीएम कार्यालय ब्यौहारी में पदस्थ बाबू वीर सिंह जाटव को लोकायुक्त रीवा की टीम ने कार्यालय में ही 15 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया। एसडीएम आफिस में अचानक हुई इस कार्रवाई से समूचे कार्यालय में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी अनुसार शहडोल जिला के अन्तर्गत ब्यौहारी तहसील के ग्राम निपनिया निवासी सुरेश कुमार जायसवाल पिता चुनबादी

प्रसाद जायसवाल 45 वर्ष द्वारा लोकायुक्त कार्यालय रीवा में उपस्थित होकर शिकायत आवेदन दिया गया है जिसमें उन्होंने बताया कि ग्राम पपौंध में उन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती अंकेता जायसवाल के नाम भूमि क्रय की गई थी। पत्नी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय ब्यौहारी में भूमि पर विवाद की अपील प्रस्तुत की गई थी। मेरे द्वारा फैसले के आदेश की कॉपी एसडीएम कार्यालय के बाबू वीर सिंह जाटव से मांगी गई तो उनके द्वारा एवज में 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई। लोकायुक्त संभाग रीवा के एसपी सुनील कुमार पाटीदार द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया तो रिश्वत की मांग का आरोप प्रथमदृष्टया प्रमाणित हो गया। एसपी के आदेशानुसार अपचारी कर्मचारी के खिलाफ धारा 7 (क) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन अधिनियम 2018 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्होंने अपनी ब्रिगेड को ब्यौहारी भेज दिया।

मुरैना का रहने वाला है आरोपित व्यक्ति

खबर है कि लोकायुक्त रीवा की टीम ने ब्यौहारी एसडीएम कार्यालय में जिस बाबू वीर सिंह को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है, वह मूलरूप से मुरैना का निवासी है। डिमांड तो उसने 20 हजार रुपए की, की थी लेकिन सौदा महंगा साबित हुआ। लोकायुक्त रीवा द्वारा निरीक्षक एस. राम मरावी के नेतृत्व में ट्रेप दल भेजा गया था जिसमें डीएसपी प्रवीण सिंह परिहार, स्वतंत्र शासकीय गवाह सहित 12 सदस्य शामिल रहे। आपको बता दें कि लोकायुक्त रीवा की यह मई 2026 की पहली कार्रवाई है। कहा-सुना यह भी जा रहा है कि अपचारी कर्मचारी का मूलपद भृत्य का है जिससे लिपिकीय कार्य कराया जा रहा है।

कोई रिश्वत मांगे तो शिकायत करें: एसपी

लोकायुक्त संभाग रीवा के एसपी सुनील कुमार पाटीदार का कहना है कि लोकायुक्त संगठन द्वारा लगातार भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। कोई भी अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत की मांग करे तो लोग कार्यालय एवं दूरभाष पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने आमजन की सहूलियत के लिए मोबाइल नंबर 9893607619 एवं दूरभाष नंबर 07662-256569 जारी किए हैं।

बाइकों की भिड़ंत में 1 की मौत, 2 घायल

रीवा। मंगलवार की रात सोहागी थाना क्षेत्र के पड़री गांव में दो बाइकों की हुई आमने सामने की जोरदार भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गयी जबकि दो अन्य युवक घायल बताये जा रहे हैं,जिनका उपचार संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कराया जा रहा है। जानकारी अनुसार मंगलवार की देर रात 11 बजे के करीब पड़री गांव के समीप सामने से आयी दो बाइकों के बीच भीषण टक्कर हो गयी। इस बीच एक बाइक में सवार 22 वर्षीय विजय माझी निवासी बांस की मृत्यु हो गयी जबकि घटना में दो अन्य लोग घायल बताये जा रहे हैं,जो सोहागी निवासी हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिये अस्पताल भेजा वहीं मृतक के शव को पीएम के लिये मर्चुरी कक्ष में रखवा दिया गया। फिलहाल पुलिस सड़क हादसे की जांच में जुटी हुई है।

कलेक्ट्रेट पहुंचा 26 लाख का लोन घोटाला

■ बैंक मैनेजर व ट्रेक्टर डीलर पर मिलीभगत का लगाया गया आरोप, सोशल मीडिया वीडियो वायरल

रीवा, नगर संवाददाता।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें प्रशांत सिंह नामक युवक द्वारा आरोप लगाया गया है कि बैंक मैनेजर और ट्रेक्टर डीलर ने उनके साथ धोखा किया है और शिकायत होने पर जांच के भय से शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। सोशल मीडिया में बताया जा रहा है कि एसबीआई मऊगंज शाखा के मैनेजर एवं ट्रेक्टर डीलर द्वारा आपसी सांठगांठ कर फर्जी तरीके से लोन पास कराया गया और बंदरबाट कर लिया गया।

प्रशांत सिंह का आरोप है कि उनके नाम 26 लाख का लोन पास कराया गया जिसमें ट्रेक्टर एवं अन्य उपकरण देने की बात कही गयी थी। परंतु लोन सेंक्शन की पूरी प्रक्रिया के दौरान उनको किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई,विपरीत उसके लोन की राशि सीधे डीलर के खाते में ट्रांसफर कर दी गई। मामले की जानकारी होने पर प्रशांत सिंह द्वारा तदाशय की शिकायत कलेक्ट्रेट मऊगंज में की गई। शिकायत होते ही बैंक मैनेजर और ट्रेक्टर डीलर ने शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। यहां तक कि उन्होंने लोन की रकम स्वतः अदा करने तक का लालच दिया।

सबूत मिटाने उठा ले गए ट्रेक्टर व थ्रेसर

शिकायकर्ता प्रशांत का आरोप यह भी है कि 17 अप्रेल 2026 को ट्रेक्टर डीलर अपने लोगों के साथ उसकी गैरमौजूदगी में उसके घर पहुंचे और ट्रेक्टर व थ्रेसर उठा ले गए। आरोप है कि सबूत मिटाने और घोटाले को छिपाने के लिए मौके से ट्रेक्टर और थ्रेसर को गायब कर दिया। वायरल वीडियो में बताया जा रहा है कि बैंक मैनेजर का स्पष्ट कहना है कि कोई सामान नहीं दिया गया था इसलिए लोन क्लोज कर दिया गया। प्रशांत का आरोप है कि ट्रेक्टर दिया गया था लेकिन अब कहानी बदली जा रही है। उनके द्वारा कहा जा रहा है कि 17 अप्रेल को दोपहर 2 बजे डीलर राघवेन्द्र सहिंत अन्य लोग पहुंचे थे और ट्रेक्टर व थ्रेसर उठा ले गये। आरोप लगाया जा रहा है कि डीलर द्वारा धमकाया गया कि यदि शिकायत वापस नही लिया तो बुरे फंस जाओंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में हुआ ऐतिहासिक धरोहर अजब कुँवरि बाबड़ी का कायाकल्प

रीवा। संभाग के सभी जिलों में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रीवा नगर निगम क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक अजब कुँवरि बाबड़ी का जीर्णोद्धार और साफ सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। नगरीय प्रशासन विभाग, नगर निगम तथा जन अभियान परिषद द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से चलाए जा रहे इस अभियान में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने श्रमदान किया। बाबड़ी को साफ सुथरा बनाने के लिए सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने भी बढ़चढ़ कर श्रमदान किया। इसमें

पिछले सात दिनों से श्रमदान करके इसका कायाकल्प किया गया है। अब बाबड़ी में लगभग 10 फीट गहराई में स्वच्छ जल संचित है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए कमिश्नर श्री जामोद ने बाबड़ी परिसर में पौधे भी रोपित किए। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि हमारे पूर्वजों को जल का महत्व भलीभांति पता था। उन्होंने पूरे देश में सुंदर जल संरचनाओं का निर्माण कराया। इनके माध्यम से जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश देने के साथ.साथ धरती माँ की कोख में असीमित जल भण्डार का संचय किया गया। अजब कुँवरि बाबड़ी रीवा की ऐतिहासिक जल धरोहर है।

राजस्व अधिकारी गेंहू उपार्जन की कर रहे लगातार मानीटरिंग

रीवा। जिले के 76 खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी सहित सभी राजस्व अधिकारी खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करके गेंहू उपार्जन की लगातार मानीटरिंग कर रहे हैं। कलेक्टर प्रतिदिन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रत्येक खरीदी केन्द्र में गेंहू उपार्जन तथा परिवहन की समीक्षा कर रहे हैं। इस क्रम में राजस्व अधिकारियों द्वारा खरीदी केन्द्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने खरीदी केन्द्र करहिया का निरीक्षण किया। उन्होंने

केन्द्र प्रभारी को उपार्जित 9 हजार क्विंटल गेंहू का तत्काल परिवहन कराने के निर्देश दिए। तहसीलदार ने खरीदी केन्द्र बम्हौरी का निरीक्षण करते हुए उपार्जित गेंहू का तत्काल परिवहन कराने के निर्देश दिए। खरीदी केन्द्र में चार तौल कांटे चालू पाए गए। रेण्डम जाँच में गेंहू की तौल में अनियमितता पाई गई। तहसीलदार त्योंथर राजेन्द्र शुक्ला ने खरीदी केन्द्र सोहागी क्रमांक दो का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि खरीदी केन्द्र में गेंहू परिवहन के लिए दो ट्रक उपलब्ध हैं, जिनमें से एक ट्रक में गेंहू लोड किया जा रहा है। खरीदी केन्द्र प्रभारी तथा नोडल अधिकारी निरीक्षण के समय अनुपस्थित पाए गए।

अधूरी एकल नलजल योजनाओं को 30 जून तक पूरा कराएं: कमिश्नर

■ उपार्जित गेंहू का दो दिनों में 90 प्रतिशत परिवहन कराएं

रीवा, नगर संवाददाता।

संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन पर विशेष ध्यान दें। उपार्जित गेंहू का दो दिनों में 90 प्रतिशत उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। स्वीकृति पत्रक तत्काल जारी कराकर किसानों को तीन दिवस में भुगतान कराएं। गेंहू के परिवहन में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। पेयजल व्यवस्था की नियमित मानीटरिंग करें। पेयजल से संबंधित आवेदन पत्रों का 24 घंटे में निराकरण कराएं।

सभी जिलों को राइजर पाइप तथा सिंगल फेज मोटर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करा दिए गए हैं। इनका आवश्यकता के अनुसार उपयोग करके पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। अधूरी नलजल योजनाओं को 30 जून तक पूरा कराएं। पूर्ण नलजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों को समारोह पूर्वक हस्तांतरित कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं है। अभियान के लिए बनाई गई कार्ययोजना के अनुरूप शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य कराएं। अभियान में जनप्रतिनिधियोंए स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनों की भी भागीदारी सुनिश्चित करें। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल संरक्षण कार्यों में व्यय राशि पोर्टल पर तत्काल अपलोड कराएं। जल संरक्षण से जुड़े सभी कार्यों की फोटो और विवरण भी अभियान के पोर्टल पर अपलोड कराएं। कमिश्नर ने कहा कि जनगणना की भी नियमित मानीटरिंग करें। सभी प्रगणक दो दिवस में निर्धारित गणना ब्लाकों को चिन्हांकित करके मकानों का सर्वे शुरू करा दें। सभी कलेक्टर जनगणना कार्य पर भी सतत निगरानी रखें।

कमिश्नर ने कहा कि कमिश्नर्स.कलेक्टर्स कांफ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं में विशेष ध्यान दें। सीधी और सतना जिले स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने तथा स्वास्थ्य सूचकांकों के सुधार पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर सिंगरौली आजीविका मिशन के स्वसहायता समूहों के ऋण वितरण, निक्षय अभियान तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में सभी जिलों में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इसमें सौ दिन से अधिक समय से लंबित आवेदन पत्रों का विशेष प्रयास करके निराकरण कराएं। बैठक में कमिश्नर ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन तथा नियमित जाँच, कुपोषण पर नियंत्रण, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, वनाधिकार के निरस्त दावों के सत्यापन, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर रीवा नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, सतना डॉ. सतीश कुमार एसए मैहर बिदिशा मुखर्जी, मऊगंज संजय कुमार जैन, सिंगरौली गौरव बैनल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में संबंधित संभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिले के मुखिया का कोपभाजन बनेंगे झूठ बोलने वाले अधिकारी-कर्मचारी

महिला अधिकारी घर में थीं और कलेक्टर से बोलीं फील्ड में हूं

■ मौके पर ही पकड़ा गया झूठ, दो बार गुमराह करने की कर चुकीं असफल कोशिश

रीवा, नगर संवाददाता।

वो दिन लद गए जब जिले के अधिकारी-कर्मचारी झूठ का सहारा लेकर प्रशासनिक कार्यवाही से बच जाया करते थे। आफिस आना-जाना मनमौजी था। जिन दफ्तरों में डिजिटल प्रणाली से उपस्थिति दर्ज होती है, वहां चतुर सुजान अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय पहुंचने और कार्यालय छोड़ते वक्त हाजिरी लगाने पहुंच जाते थे, शेष समय गायब ही रहते थे। कार्यालय में उपस्थिति दर्ज कराने के उपरांत अधिकारी-कर्मचारी खिसक लेते थे और दुनिया के तमाम कार्य उसी कार्यालयीन समय में रहते थे, तथा आफिस बंद होने से पूर्व पहुंचकर पुनः अपनी मौजूदगी का प्रमाण छोड़ देते थे।

मगर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अपनी प्रारंभिक कार्यशैली से ही जता दिया है कि वह जरा दूजे किस्म के अफसर हैं।

सफल नहीं होगी चालाकी

कलेक्टर सूर्यवंशी ने चंद दिनों में ही यह बता दिया है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को अब कोई भी लापरवाही या भ्रामक जानकारी देने पर सीधे जबावदेही का सामना करना पड़ेगा। अगर किसी ने उनसे मोबाइल पर झूठ बोलने की हिमाकत की खासकर लोकेशन को लेकर, तो कलेक्टर रीवा वीडियो कॉल के माध्यम से ऑन स्पॉट प्रमाण मांग सकते हैं। स्पष्ट है कि कलेक्टर तू डाल-डाल तो मैं पात-पात के खेल के अनुभवी खिलाड़ी हैं। जिले भर के अधिकारियों-कर्मचारियों को इस बात का अहसास हो गया है कि भर्रेशाही युग के समापन का वक्त आ गया है, पुराना ढर्रा नहीं चलेगा, कोई भी चालाकी सफल नहीं होगी। अधिकारियों-कर्मचारियों के हाव-भाव, भाव-भंगिमा से मालूम होता है कि कलेक्टर सूर्यवंशी उनके सपने में भी आने लगे हैं?

रीवा कलेक्टर कलेक्ट्रेट से लेकर जिले के समस्त लेटलतीफ कार्यालयीन अधिकारियों-कर्मचारियों को सख्त हिदायत दे चुके हैं। यद्यपि नवागत कलेक्टर को यह जानना जरूरी है कि यहां चोर चोरी से जाए, हेराफेरी से नहीं, इस कहावत को चरितार्थ करने वालों की कमी नहीं है। वह कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे।

वीडियोकॉल में खुली लोकेशन की पोल

गौरतलब है कि रिमही जनता को आज भी तत्कालीन कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी याद आते हैं। उनके कामकाज से यहां की जनता काफी संतुष्ट थी। कमोवेश उम्मीदें नवागत कलेक्टर से हैं। एक महिला राजस्व अधिकारी द्वारा लगातार दो बार जिला कलेक्टर को गुमराह करने की असफल कोशिश की जा चुकी है। असफल इसलिए क्योंकि दोनों मर्तबा उनके कथित झूठ का भंडा फूट गया। सूत्रों की मानें तो पिछली जनसुनवाई दौरान एक प्रकरण के संबंध में कलेक्टर सूर्यवंशी ने एक महिला तहसीलदार से उनके लोकेशन की जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि वे फील्ड में हैं, कलेक्टर द्वारा वीडियो कॉल करने को कहा गया तो उनके फील्ड में होने की पोल खुल गई। कारण कि मैडम अपने आवास पर थीं। उक्त तहसीलदार गत मंगलवार को जनसुनवाई दौरान एक बार पुन: कलेक्टर रीवा की कड़ी निगरानी के दायरे में आईं। वारिसाना-नामांतरण से जुड़ा एक प्रकरण जनसुनवाई में आने पर कलेक्टर द्वारा उसकी जानकारी संबंधित तहसीलदार से ली गई तो उन्होंने साफगोई में जो जबाव दिया उसके तत्काल बाद कलेक्टर ने तारीख और प्रकरण नंबर पूछ लिया, बस फिर क्या था, अधिकारी को निरुत्तर हो जाना पड़ा। उसी मामले को लेकर कलेक्टर ने एक्शन लिया है। अधिकारियों-कर्मचारियों को झूठ बोलने पर कौवा काटे या न काटे लेकिन कलेक्टर का कोपभाजन जरूर बनना पड़ेगा।

परेशान होने पर नेतागिरी और दबाव की राजनीति का दांव भी उपयोग में लाएंगे। झूठ के सहारे अपनी जिम्मेदारियों से बचना अब अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए मुश्किल है, क्योंकि कलेक्टर की कड़ी निगरानी उन्हें ऐसा नहीं करने देगी। सर्वविदित है कि मोबाइल को लोगों ने आधुनिक युग का झूठ बोलो यंत्र बना दिया है लेकिन कलेक्टर सूर्यवंशी भी पैराशूट से उतरे कोई अफसर नहीं हैं, उन्होंने सीढ़ी-दर-सीढ़ी चढ़कर यह मुकाम हासिल किया है।

राष्ट्रीय महत्व के जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें: कलेक्टर

■ प्रगणक और नगर निगम की टीम मिलकर मकानों की नम्बरिंग करें: श्री जैन

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सभी प्रगणक प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को आत्मसात करके शासन के निर्देशों के अनुरूप मकानों की सूची बनाएं। सभी प्रगणक आज ही ऐप को लॉगिन करके कम से कम एक मकान की जानकारी दर्ज करें। आयुक्त नगर निगम मकानों में नम्बर डालनेए नजरी नक्शा और जनगणना ब्लाक की सीमाओं की विसंगति को दो दिवस में ठीक कराएं। नगर निगम के जोनल अधिकारी और सुपरवाइजर जनगणना कार्य की ठीक से मानीटरिंग करें। प्रगणक को किसी भी तरह की कठिनाई होने पर उसका तत्काल निदान कराएं। मकान सूचीकरण का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मकानों में नम्बर दर्ज करने में की गई त्रुटियों में सुधार करते

हुए मकानों का सर्वे शुरू करें। प्रगणक अपने जनगणना ब्लाक के सेटेलाइट से बनाए गए नक्शे को सीमा मानते हुए उसमें शामिल सभी मकानों की सूची तैयार करें। जनगणना कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अब तक जनगणना कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है। सभी प्रगणकों को तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण में हर बिन्दु की विस्तृत जानकारी दी गई थी। प्रशिक्षण में रूचि न दिखाने के कारण मकानों के सूचीकरण में कठिनाई आ रही है। सभी प्रगणक और सुपरवाइजर मन लगाकर जनगणना का कार्य करें। जनगणना से प्राप्त जानकारी देश के विकास योजनाओं के निर्माण का आधार है। पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से जनगणना करें। बैठक में नवागत आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन ने कहा कि मकानों के नम्बर, नजरी नक्शे और सेटेलाइट मैप में जो विसंगतियाँ हैं उसे समन्वय से दूर करें। नगर निगम के उपयंत्री और वार्ड दरोगा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा प्रगणक मिलकर दो दिन में घर.घर जाकर मकानों में सही नम्बरिंग करें। नगर निगम के जोनल अधिकारी तथा प्रभारी अधिकारी भी जिम्मेदारी के साथ जनगणना की मानीटरिंग करें। बैठक में मुख्य प्रशिक्षक शशिकांत शुक्ला ने मकानों के सूचीकरण की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में डिप्टी कलेक्टर तथा प्रभारी जनगणना अधिकारी आरके सिन्हा, उपायुक्त नगर निगम प्रकाश द्विवेदी, सभी जोनल अधिकारी, सुपरवाइजर तथा प्रगणक उपस्थित रहे।

संपादकीय

महंगाई मार डालेगी

पांच राज्यों के चुनाव हो चुके हैं, अब एक आम समोसा 30 रुपए में मिलेगा। आम बाजार में, रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली चाय का एक कप 20-25 रुपए में मिलेगा। छोले-भटूरे की एक प्लेट के दाम 250 रुपए तक होंगे। मसाला-डोसा 210 रुपए में मिलेगा। एक औसत रेस्तरां और ढाबे पर पीली दाल की आधी प्लेट 110-120 रुपए में मिलेगी। यदि किसी बेहतर रेस्तरां, होटल में गए, तो भोजन की एक थाली 400 रुपए में मिलेगी। यह कोई नई बात नहीं है। चुनाव सम्पन्न होने के बाद सरकार और तेल कंपनियां गैस, पेट्रोल, डीजल आदि के दाम बढ़ाती ही हैं। उनकी मजबूरी भी है, क्योंकि भारत तेल-गैस के सबसे बड़े आयातक देशों में एक है। देश के पांच राज्यों में चुनाव अभी सम्पन्न ही हुए हैं, तो व्यावसायिक गैस, 5 किलो के गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी आदि के दाम इतने बढ़ा दिए गए हैं कि कारोबारी और आम आदमी की अर्थव्यवस्था ही बिखर जाएगी। हमने कुछ उत्पाद गिनाए हैं, अलबत्ता महंगाई तो चौतरफा होगी। बहुत जल्दी पेट्रोल, डीजल और रसोई की एलपीजी गैस के दाम भी बढ़ा दिए जाएंगे।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने खुलासा किया है कि तेल कंपनियों को 20 रुपए पेट्रोल प्रति लीटर और 100 रुपए डीजल प्रति लीटर के घाटे झेलने पड़ रहे हैं। यह दाम बढ़ाने का एक तार्किक संकेत है। जब ईरान युद्ध के हालात नहीं थे और कच्चे तेल की कीमत भी 71-72 डॉलर प्रति बैरल थी, उस दौर में तेल कंपनियों ने जो मुनाफे कूटे थे, उन्हें न तो साझा किया गया और न ही देश को खुलासा किया गया। जब आपात-स्थितियां आती हैं और कच्चा तेल महंगा होने लगता है, तो केंद्र सरकार भी तेल कंपनियों की प्रवक्ता बन जाती है। यह देश को स्वीकार्य नहीं है। अब देश भर में 19 किलो का व्यावसायिक गैस का सिलेंडर 3000 रुपए से अधिक का हो गया है। प्रवासी मजदूरों, किराएदार छात्रों, दिहाड़ीदार और गरीबों की रसोई का आधार 5 किलो गैस का सिलेंडर भी 879 रुपए का कर दिया गया है। शायद सरकार नहीं जानती अथवा जानबूझ कर अनजान बन रही है, क्योंकि 5 किलो वाले सिलेंडर पर जमकर कालाबाजारी चल रही है और यह सिलेंडर 1000 रुपए से अधिक के दाम पर बेचा जा रहा है। आम आदमी बेचारा क्या करे? गरीब-गुरबों की सरकार है, यह तो महज एक नारा है। इसी साल व्यावसायिक गैस सिलेंडर तीन बार महंगा किया जा चुका है, लिहाजा फैमिली डाइनिंग का खर्च 30 फीसदी सीधा बढ़ गया है।

यही नहीं, ईरान-अफगानिस्तान से आने वाला पिस्ता 32 फीसदी और केसर 37 फीसदी महंगे हो चुके हैं। युद्ध और अन्य कारणों से इनकी उपलब्धता भी बहुत कम है, लिहाजा मिठाइयों के दाम भी 20-100 रुपए तक बढ़ गए हैं। ईरान और अमरीका ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर नाकेबंदी कर रखी है, नतीजतन तेल-गैस-खाद की आपूर्ति नगण्य है। भारत में खाद की कीमतें भी आसमान छूने को हैं, लिहाजा इस वित्त वर्ष में सरकार पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सबसिडी का बोझ पड़ेगा। खाद पर सरकार के सामने दो विकल्प हैं। वह या तो खाद के दाम बढ़ाए अथवा 1.5-2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी का बोझ झेले। किसान एक ताकतवर वोट बैंक है, लिहाजा सरकार को सबसिडी का रास्ता ही चुनना पड़ेगा। बजट में ऐसी सबसिडी का कोई प्रावधान नहीं है। बहरहाल अब हर कोई मानने लगा है कि ईरान युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और अन्य संकट पैदा कर दिए हैं।

बंगाल विजय: संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'नि:शब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का

परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। जय श्री राम के साथ जय मां काली और जय मां दुर्गा जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंतत: यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

भारत-नेपाल लिपुलेख विवाद

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पड़ोसी देश नेपाल की घरेलू राजनीति भारत के साथ उसके संबंधों में कई बार आड़े आती रही है। भारत और नेपाल में भी सीमा विवाद का अपना इतिहास जटिलताओं से मुक्त नहीं है। नेपाल के राजनीतिक दलों ने सीमा बिन्दुओं का राजनीतिक समाधान करने की बजाय अपने घरेलू राजनीतिक उद्देश्य पूरे करने के लिए इनका इस्तेमाल किया। सीमाओं के ऐतिहासिक महत्व को जानना भी जरूरी है। नेपाल में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनी तो उससे उम्मीद की जा रही थी कि वह भारत के साथ मधुर संबंध स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ेगी लेकिन बालेन शाह ने लिपुलेख विवाद को हवा देकर राष्ट्रवादी कार्ड खेल दिया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कैलाशमानसरोवर की यात्रा के लिए लिपुलेख दर्रे के रास्ते के इस्तेमाल करने को लेकर आपत्ति जताई है। काठमांडौ ने इस संबंध में भारत और चीन दोनों के सामने विरोध दर्ज कराया है। नेपाल ने भारतीय राजदूत को इस मामले में तलब भी किया है। नेपाल के दावों को लेकर भारत ने भी सख्त रुख अपनाया है।

भारत का कहना है कि लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर का पुराना रास्ता रहा है और इस रास्ते से यात्रा दशकों से होती रही है। जहां तक इलाके के दावों की बात है भारत ने हमेशा कहा है कि ऐसे दावे न तो सही हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और सबूतों पर आधारित हैं। लिपुलेख दर्रे के दावों को इस तरह एकतरफा बनावटी तरीके से बढ़ाया नहीं जाना चाहिए। यद्यपि नेपाल और भारत ने बातचीत जारी रखने का फैसला किया है। नेपाल की सख्त प्रतिक्रिया के पीछे 1816 में की गई सुगौली की संधि है। 1816 की सुगौली संधि के साथ एंग्लो-नेपाल युद्ध खत्म हुआ था और इस क्षेत्र का नक्शा फिर से बनाया गया था। इस संधि के तहत काली नदी जिसे महाकाली भी कहा जाता है उसे नेपाल की पश्चिमी सीमा के रूप में स्थापित किया गया। 1990 के दशक से नेपाल का लगातार यही रुख रहा है कि इस नदी का उद्गम स्थल लिम्पियाधुरा है और इसलिए उस उद्गम स्थल के पूर्व में स्थित सारी जमीन, जिसमें कालापानी और लिपुलेख भी शामिल हैं नेपाल की है। ये तीनों क्षेत्र मिलकर पश्चिमी हिमालय के एक ऐसे हिस्से को कवर करते हैं जो रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और नेपाल, भारत और तिब्बत के मिलन बिंदु पर स्थित है। नई दिल्ली का तर्क है कि इस नदी का असली उद्गम स्थल और भी पूर्व में लिपुखोला सहायक नदी के पास स्थित है। ऐसा होने पर कालापानी और लिपुलेख नेपाली क्षेत्र से बाहर हो जाएंगे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद भारतीय सैनिकों ने चीनी सीमा पर नजर रखने के लिए कालापानी घाटी में चौकियां स्थापित कीं और वे वहां से कभी नहीं हटे। दशकों बीतने के साथ-साथ यह क्षेत्र 'विवादित' से बदलकर केवल 'प्रशासित' क्षेत्र बन गया। भारत इसे अपना क्षेत्र मानता रहा जबकि नेपाल ने वर्षों तक इस मामले पर चुप्पी बनाए रखी।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्रियों पुष्प कमल दहल प्रचंड ने भी भारत-नेपाल संबंधों में तनाव के बीच यह मुद्दा उठाया था। बाद में के.पी. शर्मा ओली ने भी इस मुददे को काफी हवा दी। उन्होंने तो लिपुलेख दर्रे, लिम्पिया धुरा दर्रे और काला पानी क्षेत्रों पर नेपाल का दावा जताते हुए देश का नया मानचित्र भी जारी कर दिया था। भारत ने तब भी नेपाल के नए नक्शे को खारिज करते हुए नेपाल के दावे को बेबुनियाद बताया था और कहा था कि उसकी गतिविधियां पूरी तरह से भारतीय क्षेत्र के भीतर हैं। सन् 2020 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा धारचूला-लिपुलेख सड़क का उद्घाटन करने के बाद विरोध तेज हो गया। यह 80 किलोमीटर लंबी सड़क धारचूला के घटियाबगढ़ से शुरू होकर लिपुलेख में समाप्त होती है। नेपाल का दावा है कि यह सड़क उसके क्षेत्र से होकर गुजरती है। क्षेत्र को लेकर नेपाल में तनाव बढ़ गया। कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री के.पी. ओली का पुतला जलाकर उन पर भारतीय परियोजना का मुकाबला करने के लिए समय पर कदम न उठाने का आरोप लगाया। नेपाल में कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री ओली की इस बात के लिए आलोचना की कि वे शासन में अक्षमता या कोविड-19 से निपटने के अप्रभावी उपायों की आलोचनाओं को दबाने के लिए उग्र राष्ट्रवाद का सहारा ले रहे हैं। फिर भी, अधिकांश लोगों ने राष्ट्रवाद की आवाज का समर्थन किया और सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की सराहना की।

नेपाल में लिपुलेख दर्रे का मुद्दा वहां की जनता के लिए भावनात्मक मुद्दा बन चुका है और सरकारों का ऐसे मुद्दों पर जनभावनाओं के विपरीत जाना मुश्किल हो जाता है। दूसरी तरफ कैलाश मानसरोवर की यात्रा भारत की धर्म प्रेमी लोगों के लिए बहुत ही भावनात्मक और आस्थावान मुद्दा है। हर साल श्रद्धालुओं का जत्था कैलाश मानसरोवर की दुर्गम और कठिन यात्रा पर जाता है। इस बार बालेन शाह सरकार का अंदाज कुछ अलग है, क्योंकि उन्होंने भारत के साथ-साथ चीन को भी अपने लपेटे में ले लिया है। जबकि पहले के.पी. शर्मा ओली ने सिर्फ भारत से ही आपत्ति जताई थी और उन्होंने नेपाल को पूरी तरह से चीन की गोद में डाल दिया था। बालेन शाह ने इस संवेदनशील मुद्दे कोउठाकर अपनी छवि को चमकाने का ही प्रयास किया है, जो न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही न्याय संगत। कैलाश मानसरवर यात्रा में अड़ंगा लगाकर उन्होंने कोई राजनीतिक परिपक्वता का परिचय नहीं दिया है। भारत से संबंधों में कड़वाहट पैदा कर नेपाल को नुक्सान ही होगा। देखना होगा कि आने वाले दिनों में क्या कोई कूटनयिक समाधान निकलता है और यात्रा क्या मोड़ लेती है।

हर दिन एक नया अवसर होता है, आत्म-जागरूकता से करनी चाहिए शुरुआत

निर्मल कांत

जीवन में हमें रोज सुबह खुद से एक सवाल जरूर पूछना चाहिए कि आज मैं क्या अच्छा काम करूंगा? यह सवाल हमारे पूरे जीवन-प्रबंधन, आत्म-सुधार और नैतिक अनुशासन का केंद्रीय सूत्र है। इसलिए, इसे हमें दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बना लेना चाहिए। मैं सुबह उठते ही खुद से सवाल करता था कि आज मुझे कौन-सा अच्छा और उपयोगी काम करना है। मेरे लिए यह सवाल सिर्फ सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि नैतिकता व आत्म-विकास का आधार था। साथ ही, समाज के लिए उपयोगी भी।

मेरा मानना है कि हर एक दिन हमें एक नए अवसर की तरह मिलता है। यदि वह दिन उद्देश्यपूर्ण ढंग से जिया जाए, तो हम अपने जीवन को उत्कृष्ट बना सकते हैं। यही उत्कृष्टता हमारे जीवन की सफलता की नींव तैयार करती है। अच्छा जीवन बड़े आदर्शों की घोषणाओं से नहीं, बल्कि रोजाना किए गए छोटे-छोटे सार्थक कार्यों से बनता है। इसलिए, हमें हर दिन की शुरुआत आत्म-जागरूकता से करनी चाहिए। 'आज मैं क्या अच्छा काम करूंगा' यह प्रश्न हमें निष्क्रियता से बाहर लाता है और अपने दिन को सार्थक दिशा देने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही, यह सवाल जीवन के प्रति सक्रिय और सकारात्मक दृष्टिकोण है, जिसमें व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार बहता नहीं, बल्कि अपने मूल्यों व लक्ष्यों के अनुसार दिन का निर्माण करता है। याद रखें, सारे दिन की कामयाबी इस बात से मापी जानी चाहिए कि आज मैंने खुद अपने लिए और समाज के लिए कितना सकारात्मक काम किया। हमारे जीवन का हर दिन संयम, व्यवस्था, मेहनत, सत्यनिष्ठा और विनम्रता के अभ्यास का अवसर होना चाहिए। ज्यादातर लोग जीवन में असफल इसलिए नहीं होते कि उनमें क्षमता नहीं होती, बल्कि इसलिए होते हैं कि वे अपने दिन को बिना स्पष्ट उद्देश्य के व्यतीत करते हैं। यदि व्यक्ति हर दिन खुद से पूछे कि 'मैं आज क्या अच्छा कर सकता हूं', तो वह अधिक रचनात्मक व अनुशासित बन सकता है। यह आदत धीरे-धीरे चरित्र का निर्माण करती है।

दरअसल, चरित्र कोई अचानक हासिल होने वाली चीज नहीं होती, बल्कि यह रोजाना किए गए सही फैसलों का ही समुच्चय होती है। इसी तरह रात को सोने से पहले भी हमें खुद से पूछना चाहिए कि आज मैंने क्या अच्छा किया? बस फर्क यही है कि सुबह का प्रश्न संकल्प था और रात का प्रश्न आत्म-मूल्यांकन। इन दोनों के बीच पूरा दिन उद्देश्यपूर्ण जीवन का अभ्यास बन जाता है। यही आत्मनिरीक्षण सफलता का वास्तविक रहस्य है। ऐसा करते रहना हमें अपने आदर्शों के प्रति जवाबदेह बनाता है। जब मनुष्य दिन की शुरुआत इस विचार से करता है कि उसे कुछ अच्छा करना है, तो उसके निर्णय अधिक सजग और सकारात्मक होते हैं। खुद से पूछे जाने वाले ये दो सरल प्रश्न जीवन में स्पष्टता ला सकते हैं और दिन को केवल बिताने के बजाय उसे सार्थक बनाने की प्रेरणा देते हैं।

जब दिन की शुरुआत संकल्प से और अंत आत्म-मूल्यांकन से होती है, तब जीवन में निरंतर सुधार संभव होता है। सफलता केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि रोज किए गए सकारात्मक कर्मों में छिपी होती है। जो व्यक्ति हर दिन खुद को चुनौती देता है, वही अपने जीवन को उत्कृष्ट बना पाता है। इसलिए हर दिन को सार्थक बनाइए।

विकास में भेदभाव का शिकार हो रहे हैं प्रमुख तीर्थस्थल

योगेंद्र योगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सीमित कर रहा गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

वर्ष 2014 से मार्च 2025 तक काशी में विकास के तहत कुल 48,459 करोड़ रुपय की लागत से 580 परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। काशी के विकास की घोषणाओं की शुरुआत मोदी के पहली बार सांसद बनने के साथ ही शुरु हो गई थी। यह सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपये की कुल 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें गंगा पर सिग्नेचर ब्रिज सबसे बड़ी परियोजना है। जिसकी लागत करीब 2464.46 करोड़ है। यह ब्रिज काशी की कनेक्टिविटी और ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री के हाथों 1054.69 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशाी के अलावा देश के प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णों देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है। जम्मू और कटरा के बीच सड़क और रेल संपर्क अक्सर टूट जाता है। विशेष रूप से, 2025 की बाढ़ के बाद से ट्रेनों का रद्दीकरण और पुलों को नुकसान ने यात्रा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया है। कटरा में स्मार्ट सड़कों, सुव्यवस्थित पार्किंग, और आधुनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए मौजूदा सुविधाएं नाकाफी हैं। बढ़ती भीड़ के कारण गर्मियों में पेयजल और निरंतर बिजली आपूर्ति की समस्या बनी रहती है।

राम मंदिर के विख्यात अयोध्या में बाल विकास विभाग की एक रिपोर्ट ने जिले में कुपोषण की चिंताजनक स्थिति को उजागर की है। जिले के 2,381 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 2,28,018 बच्चों की जांच में 7,520 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें 1,199 बच्चे अति कुपोषित (सैम) और 6,321 बच्चे मध्यम गंभीर कुपोषित (मैम) श्रेणी में हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 264 और 2024-25 में 286 अति कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्र भेजा गया। विकास परियोजनाओं के कारण हजारों लोग, विशेषकर छोटे व्यापारी और गरीब, अपने पुश्तैनी आवासों और व्यवसायों से विस्थापित हो गए हैं। परियोजनाओं के कारण उड़ने वाली धूल और निर्माण सामग्री से स्थानीय लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। जल भराव और सीवर के गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या से लोग लंबे समय से

परेशान हैं। पुरानी अयोध्या (फैजाबाद) और अयोध्या धाम के बीच आवागमन में मुश्किल हो रही है।

देश के 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल केदारनाथ के रुद्रप्रयाग जिले के कई सुदूरवर्ती गांव अभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, जहाँ आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क मार्ग बाधित होने और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण लोगों को स्वास्थ्य उपचार के लिए भटकना पड़ता है। भारी बारिश के कारण संपर्क मार्ग बाधित होना भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में एक बड़ी बाधा है। जिले भर में लगभग 25 जल स्रोत सूख चुके हैं, जिससे पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पानी की कमी से नाराज लोग जल संस्थान के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं।

कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में 30,000 करोड़ से अधिक की ब्रज मास्टर प्लान परियोजनाओं और नई आवासीय योजनाओं के लिए 850 करोड़ के बावजूद, कई विकास कार्य फाइलों में अटके हैं। वर्ष 2026-2030 के मास्टर प्लान के अंतर्गत शहर को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का विज़न है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी स्तर पर गति धीमी है। मथुरा-वृंदावन में वर्षभर धार्मिक आयोजनों की लंबी श्रृंखला चलती रहती है। प्रमुख आयोजनों में होलिकोत्सव, मुड़िया मेला, जन्माष्टमी, राधाष्टमी, झूलन उत्सव, कार्तिक मास, गोवर्धन पूजा और ब्रज की विभिन्न परिक्रमाएं शामिल हैं। आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या 8 से 10 लाख तक पहुंच जाती है। भीड़ प्रबंधन अब भी पुलिस के भरोसे संचालित हो रहा है। कई बार मास्टर प्लान और विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए गए, लेकिन जमीन पर उतरते हुए नजर नहीं आए।

गुजरात सोमनाथ मंदिर (प्रथम ज्योतिर्लिंग) जिले में पर्यटन और आस्था के केंद्र होने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण सामाजिक और नागरिक समस्याएं भी विद्यमान हैं। इस क्षेत्र में दलित समुदाय के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं (जैसे ऊना की घटना) और हाशिए पर स्थित समुदायों के उत्पीड़न की समस्या रही है। जमीन के अधिकारों को लेकर विवाद और अवैध संरचनाओं को हटाने के दौरान लोगों का विस्थापन और पुनर्वास न होना एक प्रमुख समस्या है। तमिलनाडु के रामेश्वरम (रामनाथस्वामी मंदिर) रामनाथपुरम जिला धार्मिक और तटीय पर्यटन के बढ़ते आकर्षण के बावजूद अपर्याप्त बुनियादी ढांचा (जैसे- बेहतर सड़कें, आवास और सार्वजनिक सुविधाएं) मांग के अनुरूप तालमेल बिठाने में संघर्ष कर रहा है। रामेश्वरम और धनुषकोडी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक भारी आवागमन के कारण सड़कों पर दबाव, जिससे अक्सर यातायात जाम की स्थिति बनती है। पीक सीजन में आवास, पार्किंग और स्वच्छता सुविधाओं की कमी, जो पर्यटकों के अनुभव को प्रभावित करती है। आंध्र प्रदेश का चित्तूर जिला तिरुपति बालाजी (वेंकटेश्वर मंदिर) ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के बावजूद विकास के मोर्चे पर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। चित्तूर का हाई रोड (ओल्ड मद्रास रोड) इतिहास के साथ विकसित हुआ है, लेकिन वर्तमान में यह यातायात जाम और बुनियादी ढांचे के अभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से पिछड़ रहा है। शहर के मुख्य मार्गों पर भारी ट्रैफिक और संकरी सड़कें विकास में बड़ी बाधा हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां और सुगम आवागमन प्रभावित होता है। रोजगार के सीमित अवसरों के कारण, युवाओं को बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य स्थानों पर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। काशी के धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व से इंकार नहीं है, किन्तु देश के अन्य समकक्ष धार्मिक स्थलों और मंदिरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव भेदभाव पर सवाल उठाता रहेगा।

चंद्रशेखर गार्डन में लगी आग, टीनशेड स्टोर में रखा सजावट का सामान खाक

■ एक किमी दूर तक दिखा काला धुआं, तीन दमकलों ने पाया काबू

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मेला ग्राउंड के पास स्थित चंद्रशेखर गार्डन बुधवार दोपहर अचानक आग की चपेट में आ गया। गार्डन परिसर में बने टीनशेड के ओपन स्टोर में लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। स्टोर में रखा सजावट का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसमान में उठता घना काला धुआं करीब एक किलोमीटर दूर से भी साफ दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी अनुसार चंद्रशेखर गार्डन में उस समय कोई कार्यक्रम नहीं था। दोपहर के वक्त अचानक स्टोर से धुआं उठता दिखा और कुछ ही पलों में आग ने पूरे टीनशेड को अपनी चपेट में ले लिया। स्टोर में पर्दे, आर्टिफिशियल फूल, डेकोरेशन आइटम और अन्य सजावटी सामग्री रखी हुई थी, जिसने आग को और भड़कने में मदद की।

आग फैलते ही गार्डन के आसपास मौजूद लोग घबरा गए और सुरक्षित दूरी पर हट गए। व्यस्त मार्ग होने के कारण सड़क पर भी कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए तीन दमकल गाड़ियां लगातार पानी डालकर आग बुझाने में जुट गईं। कुछ देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक स्टोर में रखा सारा सामान जल चुका था। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य तकनीकी वजह की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। वहीं, इस घटना में हुए नुकसान का भी अभी आकलन किया जा रहा है। घटना के बाद गार्डन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और फायर सेफ्टी इंतजामों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर आग समय पर नहीं बुझाई जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

बिजली कनेक्शन के लिए सहायक यंत्री पर किया हमला

■ कार रोककर सड़क पर पीटा, कनेक्शन नहीं देने पर दी जान से मारने की धमकी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

बिजली का कनेक्शन न देने पर कुछ लोगों ने बिजली कंपनी के सहायक यंत्री की मारपीट कर दी। घटना पड़ाव थाना क्षेत्र के एलआईसी तिराहे पर पर सोमवार की शाम की है। आरोपियों ने पहले पीछा किया और फिर कार में टक्कर मारकर रोका, इसके बाद सड़क पर पटककर मारपीट की। आरोपियों ने धमकी दी कि बिजली कनेक्शन नहीं दिया तो वह उसे जान से मार देंगे। घटना का शिकार पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

विनय नगर जोन में पदस्थ सहायक यंत्री/प्रबंधक नितीश कुमार (38) ने पड़ाव थाना पुलिस से शिकायत की है कि 4 मई की शाम करीब 6.42 बजे वह शासकीय कार्य से रोशनीघर जा रहा था। अभी वह एलआईसी तिराहे के पास पहुंचा तो हेमंत राय उर्फ कालू, मंजू बाथम व दो अन्य ने मोटरसाइकिल से उसकी कार में टक्कर मार कर रोका। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें कार से खींच कर सड़क पर पटका और उनकी मारपीट की।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि जैसे ही वह कार से निकले तो आरोपी मोटरसाइकिल से उनका पीछा करते हुए आए और कार में टक्कर मार दी। इसके बाद तीनों ने जबरन गाड़ी से बाहर खींचकर लात-घूंसों से पीटा, जिससे उन्हें काफी चोट आई।

अवैध कनेक्शन देने का बना रहे थे दबाव

पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने मारपीट के दौरान गाली-गलौज करते हुए अवैध रूप से बिजली कनेक्शन देने का दबाव बनाया। हेमंत राय ने धमकी दी कि तू क्या, तेरा बाप भी कनेक्शन देगा। अगर कनेक्शन नहीं दिया तो जान से खत्म कर देंगे। आरोपी ने किला तहलटी क्षेत्र में जमीन पर कब्जा कर संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर बिजली कनेक्शन का आवेदन दिया था, जिसे कंपनी ने नियम अनुसार निरस्त कर दिया था। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट, धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीडीए अध्यक्ष भदौरिया ने सिंधिया से की सौजन्य भेंट

ग्वालियर। ग्वालियर विकास प्राधिकरण के नव-नियुक्त अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया ने अपना दायित्व ग्रहण करने के बाद बुधवार को नई दिल्ली स्थित संचार भवन में केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया से सौजन्य भेंट की। इस दौरान श्री भदौरिया ने श्री सिंधिया को ग्वालियर विकास प्राधिकरण की प्राथमिकताओं और आने वाले समय की कार्ययोजना से अवगत कराया।

आरडी सिंघल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने

ग्वालियर। भारत सरकार के अंतर्गत संचालित नेहरू युवा केंद्र संगठन एवं मेरा युवा भारत संगठन के पेंशनर अधिकारी एवं कर्मचारियों की गत दिवस राष्ट्रीय बैठक नई दिल्ली स्थित राजघाट परिसर में गांधी स्मृति एवं संग्रहालय के सभागार में आयोजित की गई। जिसमें आरडी सिंघल को नेहरू युवा केंद्र संगठन पेंशनर फोरम का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया।

पदमचंद अध्यक्ष और प्रहलाद नगर मंत्री बने

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने ग्वालियर महानगर की मुरार नगर शाखा का गठन किया। जिसमें पदमचंद जैन नगर अध्यक्ष, प्रहलाद अग्रवाल नगर मंत्री, अभय गांगिल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर कैट के अमित सेठी, दिनेश जैन, सुनील गोयल, अजय जैन, योगेश मित्तल आदि उपस्थित रहे।

ईएसआई चिकित्सालय का कल होगा अधिग्रहण, बढ़ेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

■ बदहाल व्यवस्था में आएगा सुधार, चिकित्सकों व स्टाफ की होगी नियुक्ति

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

श्रमिकों एवं कर्मचारियों के उपचार के लिए स्थापित 100 बिस्तरों वाला राज्य कर्मचारी बीमा (ईएसआई) चिकित्सालय अब शीघ्र ही अपनी बदहाल स्थिति से उबरने जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा इस चिकित्सालय का अधिग्रहण किया जाएगा, जिससे यहां की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार और विस्तार की संभावना है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा 8 मई को चिकित्सालय का औपचारिक अधिग्रहण किया जाएगा।

गौरतलब है कि यह चिकित्सालय लंबे समय से अव्यवस्थाओं का शिकार बना हुआ है। यहां न तो पर्याप्त चिकित्सकों की उपलब्धता है और न ही आवश्यक स्टाफ की। चिकित्सकों की भारी कमी के कारण न तो बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सुचारु रूप से संचालित हो पा रहा है और न ही भर्ती मरीजों को समुचित उपचार मिल पा रहा है। मरीजों को जांच से लेकर उपचार तक के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है, जिससे उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा चिकित्सालय को अधिग्रहित करने का निर्णय लिया गया है। अधिग्रहण के पश्चात न केवल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा, बल्कि चिकित्सकों एवं अन्य आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही चिकित्सालय में आधुनिक सुविधाओं का विकास कर मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चिकित्सालय के अधिग्रहण की प्रक्रिया पिछले वर्ष दिसंबर माह में प्रारंभ हुई थी, जब नई दिल्ली से कर्मचारी राज्य बीमा निगम की एक टीम ने चिकित्सालय का विस्तृत निरीक्षण किया था। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही इस अधिग्रहण का निर्णय लिया गया। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा अधिग्रहण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। अधिग्रहण के अवसर पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम एवं मध्यप्रदेश शासन के नामित अधिकारियों के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

कॉम्बिंग गश्त : घर की कुंडी खटकाई, 201 हवालात पहुंचाए

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस नियमित रूप से कॉम्बिंग गश्त कर रही है। मंगलवार की रात को भी पुलिस का कॉम्बिंग गश्त अभियान चला, इसमें पुलिस ने 201 बदमाशों को हवालात पहुंचाया, वहीं 282 पुराने बदमाशों को चेक किया कि कहीं वह अपराधिक गतिविधियों में लिप्त तो नहीं हैं। इसके साथ ही कुछ थाना क्षेत्रों में शराब लेकर घूम रहे तस्कर पकड़े हैं।

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि बदमाशों पर शिकंजा कसने के लिए मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात कॉम्बिंग गश्त किया। इस दौरान पुलिस ने 201 बदमाशों को हवालात पहुंचाया, इसके साथ ही पुराने बदमाशों को चेक कर उनकी जानकारी अपडेट की। ताकि वह फिर से अपराध के रास्ते पर न जा सकें। कॉम्बिंग गश्त की शुरूआत पुलिस ने पैदल गश्त से की। इस दौरान सभी थाना प्रभारी अपने बल के साथ सड़कों पर आए और पैदल भ्रमण कर पूछताछ की। वहीं इलाके के लोगों से बातचीत की, जिससे उस क्षेत्र में होने वाली अनैतिक गतिविधियों की जानकारी जुटाई। इस दौरान उनके द्वारा फरारी बदमाशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटरों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबों को भी चेक किया।

यह हैं कार्रवाई के आंकड़े

पुलिस ने जिले में कुल 201 बदमाशों को पकड़ा है, जिसमें 105 स्थाई और 96 गिरफ्तारी वारंटी थे। साथ ही 154 गुण्डा एवं 128 हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान अवैध शराब के थाना सिरौल व डबरा देहात ने तस्करों को पकड़ा है। देर रात जैसे ही पुलिस कप्तान गश्त की कार्रवाई का जायजा लेने के लिए फील्ड में आए तो गश्त में निकले अफसरों और जवानों का एक्शन शुरू हो गया। वहीं एएसपी अनु बेनीवाल, विदिता डागर, सुमन गुर्जर और जयराज कुबेर गश्त की मॉनिटरिंग की।

ऊर्जा मंत्री ने जानी समस्याएं व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को आपका सेवक आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को उपनगर ग्वालियर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर आमजन की समस्याएं सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही समाधान कराया। भोपाल से ट्रेन द्वारा ग्वालियर पहुंचते ही उन्होंने खेड़ापति कॉलोनी, न्यू खेड़ापति कॉलोनी और हिंद नगर में घर-घर जाकर नागरिकों से संवाद किया। दौरे के दौरान मंत्री ने बिजली, पेयजल, स्वच्छता और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीवर सफाई, कचरा संग्रहण और सड़क रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने लोगों से सरकारी योजनाओं जैसे राशन, पेंशन और आयुष्मान कार्ड की जानकारी भी ली, जिस पर नागरिकों ने संतोष जताया। इस दौरान खेड़ापति कॉलोनी में सीवर जाम की समस्या सामने आई, जिस पर मंत्री ने तत्काल सफाई कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री की पहल पर बिरला नगर क्षेत्र में सुपर सकर मशीन से सीवर सफाई अभियान चलाया गया। 9 नंबर पुलिया से शुरू हुआ यह अभियान लाइन नंबर 5, लाइन नंबर 4 और आसपास के क्षेत्रों में संचालित हुआ, जिससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

साडा को ऊंचाई प्रदान करेंगे: शर्मा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) के अध्यक्ष अशोक शर्मा और उपाध्यक्ष हरीश मेवाफरोश ने शुक्रवार को रैली के रूप में साडा कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण कार्यक्रम में भाजपा महानगर के अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर,पूर्व साडा अध्यक्ष जय सिंह कुशवाह, पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा, कमल माखीजानी, अभय चौधरी, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, किशन मुदगल आदि उपस्थित रहे। नवनियुक्त अध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा कि साडा में नए परिवर्तन के साथ इसे ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। अपनी योजनाओं के माध्यम से कोशिश करेंगे कि ग्वालियर की बढ़ती हुई आबादी और जनसंख्या के घनत्व को योजनाओं के माध्यम से विभक्त किया जा सके। श्री राजौरिया ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सभी मिलकर ऐसा काम करें जिससे साडा के रुके हुए कार्यों को नई दिशा एवं गति मिले। उपाध्यक्ष हरीश मेवाफरोश ने कहा कि श्री शर्मा और वे राम लक्ष्मण की जोड़ी की तरह मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों का प्रतिपादन कर उनका समुचित लाभ जनता को दिलाएंगे। इसके पहले श्री शर्मा तानसेन नगर पेट्रोल पंप से पाताली हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चना के बाद खुले वाहन में रैली के रूप में साडा कार्यालय पहुंचे। स्थान-स्थान पर उनका जोरदार स्वागत किया गया।

निरीक्षण में मल्टीलेवल पार्किंग, शौचालय और निर्माण कार्यों पर भी जताई नाराजगी

प्याऊ पर पहुंचकर झांका तो खाली मिली टंकी, आयुक्त ने लगाई फटकार

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शिंदे की छावनी स्थित शीतल जल प्याऊ पर जब निगमायुक्त आयुक्त संघ प्रिय ने बुधवार को निरीक्षण किया तो वहां हालात देखकर वे नाराज हो गए। प्याऊ पर पहुंचकर जब उन्होंने व्यवस्था का जायजा लिया तो टंकी और पानी की व्यवस्था पूरी तरह खाली मिली। इस पर उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और शहर की सभी प्याऊ को नियमित रूप से चालू रखने के सख्त निर्देश दिए।

आयुक्त ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बनाई गई इन सुविधाओं का उद्देश्य आम जनता को राहत देना है, लेकिन लापरवाही के चलते ये योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित होती जा रही हैं। इसके बाद उन्होंने शिंदे की छावनी स्थित सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया। यहां दिव्यांगजनों के लिए रैम्प की कमी और रखरखाव की स्थिति को देखते हुए उन्होंने तत्काल सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। शौचालय में सिविल वर्क और पेंटिंग कार्य भी जल्द पूरा करने को कहा गया। उन्होंने कॉलोनी पार्क का भी निरीक्षण किया और उसके रखरखाव पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

इसके बाद आयुक्त ने निर्माणाधीन नगर निगम परिषद भवन का निरीक्षण किया और कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के आदेश दिए। जिंसी नाला नंबर-1 में चल रहे जनगणना कार्य का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे डेटा संग्रह कार्य को देखा और बेहतर कार्य की सराहना भी की। महाराज बाड़ा स्थित मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण करते समय पूर्व में दिए गए निर्देशों का पालन न होने पर आयुक्त और अधिक नाराज हो गए। उन्होंने स्मार्ट सिटी अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी मांगी, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दे दी। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री पवन सिंघल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गोली मारकर हत्या करने वाला एक पकड़ा, तीन की तलाश में दबिश

ताले डालकर फरार हुए आरोपी घर के बाहर पुलिस गार्ड लगा

ग्वालियर। बड़ागांव खुरैरी इलाके में मंगलवार रात ताबड़तोड़ फायरिंग कर पड़ोसी

की हत्या व उसकी पत्नी बेटों को गोली मारने वाले एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है। जबकि उसके अन्य साथी फरार है और पुलिस की टीमें उनकी तलाश में जुटी हुई हैं। वारदात के बाद आरोपी अपने घरों पर ताले डालकर चले गए थे। वहीं सुरक्षा को देखते हुए अफसरों ने आरोपियों के घर पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

यह है मामला

खुरैरी निवासी रमेश उर्फ पप्पू कुशवाह के घर में खुशियों का माहौल था। उनकी बहन के बेटे की शादी में भात का कार्यक्रम था, जिसकी तैयारियों में परिवार जुटा था। पप्पू बाजार से सामान लेकर लौट रहा था, तभी रास्ते में खड़े अनार सिंह और उसके साथियों से घूरकर देखने की बात पर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि पहले पथराव हुआ और फिर हमलावरों ने राइफलें निकाल लीं। जैसे ही झगड़ा बड़ा, आरोपी अनार सिंह, सुखवीर, रामू और राजपाल अपनी छत पर चढ़ गए और नीचे खड़े कुशवाह परिवार पर राइफल से फायरिंग शुरू कर दी। पप्पू जान बचाने के लिए अपने घर की ओर भागा, लेकिन दरवाजे पर ही गोली उसे लग गई और उसने दम तोड़ दिया। बीच-बचाव करने आई पत्नी पुष्पा और बेटा भी गोलियों के छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। हत्या के बाद पुलिस आरोपियों के घर पहुंची, लेकिन इससे पहले ही आरोपी घरों पर ताले डालकर फरार हो गए। इसके बाद से ही पुलिस उनकी तलाश में लगी थी। तभी पता चला कि अनार बघेल इलाके में देखा गया है। इसका पता चलते ही पुलिस ने दबिश दी और उसे दबोच लिया।

संध्या समय न करें ये गलती

न केवल इस जन्म बल्कि परलोक में भी भोगेंगे दुख

सूर्यास्त होते ही नकारात्मक शक्तियां हावी हो जाती हैं। मान्यता है कि उनके दुष्प्रभाव को शांत करने के लिए या उनकी शक्तियों को क्षीण करने के लिए सुबह की भांति शाम को भी देवी-देवताओं की अराधना करनी चाहिए। जिससे की सकारात्मकता का माहौल बना रहे। कुछ ऐसे काम हैं जो शाम को करने की पुराणों में मनाही हैं, जो व्यक्ति इन बातों को नहीं मानते, उन्हें न केवल इस जन्म में बल्कि परलोक में भी दुख भोगना पड़ता है।

आईए जानें कौन से हैं वो काम

- संध्या के समय झाड़ू न लगाएं, सकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और नकारात्मकता बलवान होती है।
- तुलसी पर सूर्योदय होने पर जल चढ़ाएं, शाम को नहीं केवल दीप अर्पित करें। ठाकुर जी के भोग में अर्पित करने के लिए तुलसी पत्र सूर्योदय के समय ही तोड़े जा सकते हैं। सूर्यास्त उपरांत तुलसी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। संध्या के समय तुलसी का स्पर्श करना भी संचित पुण्यों को पाप में परिवर्तित कर देता है।
- शास्त्रों में महिलाओं को घर की लक्ष्मी कहा गया है। जिस घर में महिलाओं का सम्मान नहीं होता मां लक्ष्मी उस घर से अपना नाता तोड़ लेती हैं और वहां कभी धन और वैभव वास नहीं करते।
- शास्त्रों के अनुसार सूरज ढलने के बाद सोना नहीं चाहिए केवल बीमार, वृद्ध और गर्भवती महिलाएं ही दिन में या शाम को सो सकते हैं। मान्यता है की शाम के समय देवी-देवता पृथ्वी का भ्रमण करते हैं। जिन घरों में शाम के समय पूजा-पाठ हो रहा होता है, उन घरों को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और जिस घर के लोग सोए होते हैं उस घर में बरकत नहीं होती।
- आयुर्वेद में भी कहा गया है कि जो व्यक्ति दिन के समय सोता है उसे कई प्रकार के रोग घेर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति की आयु क्षीण हो जाती है।

घर के अंदर पहुंचकर आपको बर्बाद कर देती है ये चीजें

कई बार आपके घर में कोई ऐसा समय आता है जब आपके लिए सारी चीजें उल्टी हो रही होती है। आपको ये समझ में नहीं आता है कि आप क्या करें और क्या ना करें। आपके परिवार में कई बार ऐसा होता है कि लगातार घर में दिक्कते और पैसों की कमी बनी रहती है। कई बार घर में परेशानियों की वजह समझ में नहीं आ पाती है। कभी पैसों की कमी तो कभी घर में किसी बीमारी या झगड़े होना आदि होता रहता है। इसकी मुख्य वजह है आपके घर में मौजूद कुछ चीजें। जो आपके लिए इन सारी परेशानियों का कारण बनती हैं। आपने कभी ये सोचा है कि क्यों घर में पैसा नहीं आ पाता और क्यों बेवजह का कलेश होता रहता है। आज आपको हम इसी पर कुछ वास्तु टिप्स भी देने जा रहे है कि आपको किन चीजों को आज ही घर से निकाल देनी चाहिए। जानिए कौन सी है वो वस्तुएं...

कबूतरों को ना बनाने दे घोसला

आपको बता दें कि अगर आपके घर में कबूतरों का घोसला है तो आपको इसको आज ही घर से हटाकर बाहर फेंकना है। इससे आपके घर में मुसीबतों के अलावा और कुछ नहीं आता है। ये वास्तु के हिसाब से बिल्कुल गलत है।

ततैया का छत्ता

अगर आपके घर में ततैया छत्ता है तो आपको बता दें कि इसको अभी हटाना बहुत जरूरी है। ततैया का छत्ता अमंगल की निशानी होती है। इसके घर में होने से आपके घर में किसी के साथ दुर्घटना हो सकती है। ये अशुभ होता है।

टूटा हुआ ग्लास

आपके घर में वास्तु के हिसाब से टूट हुआ सीसा कहीं पर भी नहीं होना चाहिए। इससे आपको आर्थिक नुकसान हो सकता है। टूटे हुए ग्लास के घर में होने से नकारात्मक ऊर्जा भी घर में आने का अधिक चांस होते है।

चमगादड़ का घर में आना

आपके घर में अगर बार बार चमगादड़ आती जाती रहती है तो आपको इसे रोकना चाहिए। अगर आपने इसे नहीं रोका तो वास्तु के हिसाब से आपके घर में आपसी लड़ाई झगड़े होने शुरु हो जाएगें। इससे आपको आर्थिक नुकसान भी होने की संभावना होती है।

दीवारों पर दरारें

अक्सर देखा जाता है कि घर में जो दीवारे होती है उनमें पुराने होने पर या किसी और कारणवश दरारे पड़ जाती है और आपके द्वारा उसके नजरअंदाज किया जाता है। आपको बता दें कि ऐसा होना वास्तु के हिसाब से गलत है। ऐसा होने पर आपको धन की हानि होती है।

नल से पानी टपकते रहना

आपके घर में यदि को ऐसा नल है जिससे हमेशा पानी टपकता रहता हो। अगर ऐसा है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। ये आपके घर से बरकत खत्म करके धन की हानि होने का कारण बनता है। इसको आप आज ही ठीक कराएं।

मंदिर में बासी फूल

अगर आपके घर के मंदिर या किसी भी धार्मिक तस्वीर में बासी फूल रखे रहते है तो इनको आप आज ही हटाएं। इससे आपके घर में आर्थिक संकट आता है। आपके यहां अक्सर ये होता है कि आप घर से निकले कबाड़ को छत पर ही रख देते है तो ये आपकी बहुत बड़ी गलती है। ऐसा करने से आपको काफी परेशानी हो सकती है। इससे आपके घर में धन की कमी आती है।

स्वस्थ जीवनशैली स्वास्थ्य अर्थात ऊर्जा ...

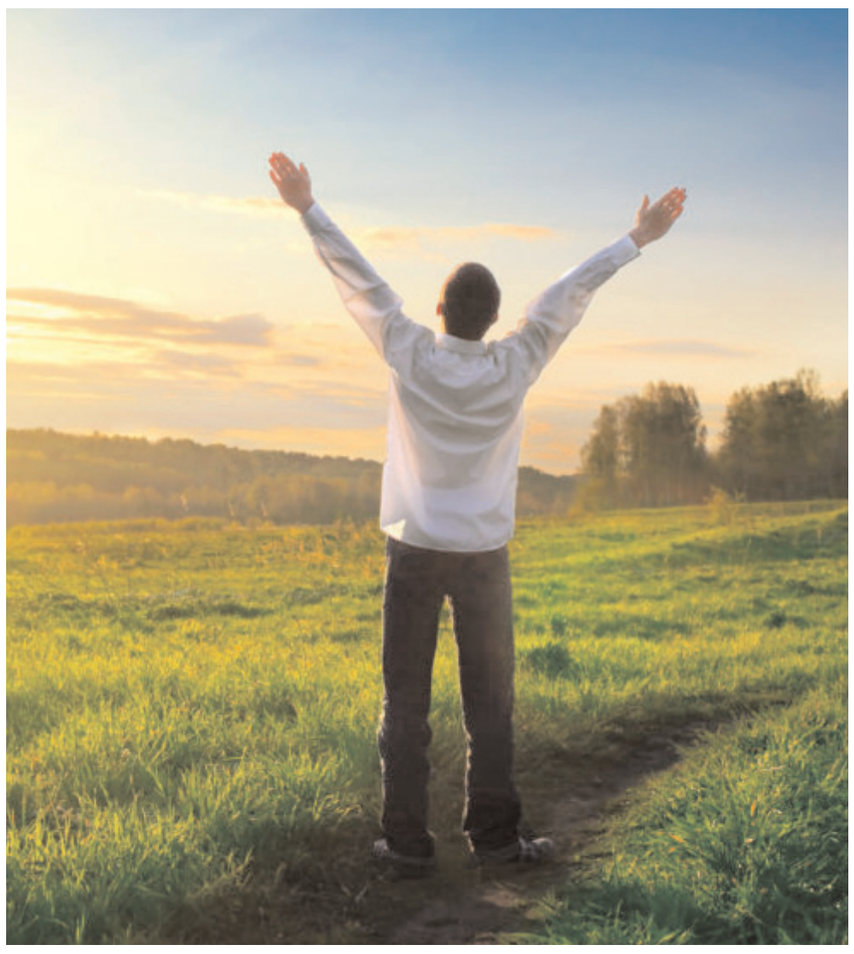

हम क्या खाते हैं, साथ-साथ हमारा संग कैसा है, कौन से चित्रों को हम अपने मन में ग्रहण करते हैं, समय जिसका हम सम्मान करते हैं और लोग जिनका हम आदर करते हैं, जब इन बातों के लिए सजग रहते हैं तब ही हम स्वास्थ्य का आनन्द ले सकते हैं। यह कालजयी सलाह हमारे लोक साहित्य में सदियों से चली आ रही है परन्तु इस आधुनिक समय में हममें से बहुत सारे लोग इस बुद्धिमत्तापूर्ण बात को खारिज कर दिया है। उत्सुकतावश हमारा समय के लिए भूखा समाज जिसके पास समय की कमी है, उसने स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने में कोताही बर्ती है। जहाँ हम फास्ट फूड और चीनी से भरे हुए स्नैक्स खाते हैं, कम सोते हैं, कम व्यायाम करते हैं, कम बातें करते हैं और ज्यादा चिन्ता करते हैं अपने बन्धनों, बच्चों की पढ़ाई और अपनी बचत के बारे में।

राजयोग की अनुभूति करें

कल्पना करें कि आप एक सक्षम, सशक्त, सफल और खुशनुमा आत्मा हैं। जो भी मन में विचार और प्रतिक्रिया आ रही है उसके प्रति जागृत होकर इसे आदेश दीजिए। कुछ ही पहल में, आप अपनी शक्ति से उन विचारों को अमल कर सकेंगे या फिर छोड़ देंगे। उन नकारात्मक बातों को मन में लाये जिन्हें आप छोड़ना चाहते हैं ङ्क आत्म संदेह, अर्न्तध्वन्श, आत्मसम्मान की कमी, पश्चाताप, चिन्ता आदि-आदि। आपके आदेश/इच्छा के बिना ये न कभी आपसे बोले जायेंगे और ना ही आपके घर को या कार्यस्थल को या फिर क्रीड़ाक्षेत्र को प्रभावित कर पायेंगे। ये कभी कभार इतने संयमित किये जाने पर विघ्न डाल सकते हैं किन्तु यदि आप सचमुच आत्मिक स्थिति में स्थित हो जाते हैं तो आप स्वयं को संयमित कर लेंगे। सिर्फ स्वयं को। दूसरों की जिन्दगी और खेल उनके अपने हैं।आप सिर्फ स्वयं के जिम्मेदार हैं। हमारे मात-पिता ने जो किया सो किया, कभी अच्छा तो कभी बुरा परन्तु वो समय अब बीत गया और अब आप एक स्वतंत्र आत्मा हो जो अपनी जिन्दगी जीने का चयन कर सकता है। राजयोग से आप पुरानी बातों के प्रभाव से स्वयं को मुक्त/दूर कर आप क्या बनना चाहते हैं वो बन सकते हैं। यही राजयोग की शक्ति है। यही प्राचीन राजयोग अभ्यास आपके प्राकृतिक शक्तियों को सुसज्जित कर आपके मन को अपना दोस्त बना देते हैं। आप मन नहीं है, शरीर नहीं है। आपको उपकरण/साधन कभी अच्छा कार्य करते हैं तो कभी इन्हें स्वस्थ पथ पर आने के लिए शान्ति और व्यायाम की जरूरत पड़ जाती है। हम सब गलतियाँ करते हैं। हम सभी संसाधनों को व्यर्थ गंवाते हैं। हम तब तक अपने बोल शक्ति और समय व्यर्थ गंवा देते हैं जब तक हम थोड़ी देर रूककर किस बात को महत्व देते हैं उसे गहराई से सोचते हैं। जब हम अपने मनमत में ही जकड़े होते हैं तो हमारा मन संकुचित हो जाता है और प्रेम की शक्ति का दमन हो जाता है। उस स्थिति में, आत्मा में शक्ति नहीं रह पाती जो वो परिस्थितियों का सामना कर पायें और सब खो देता है। लेकिन जब हम सभी मानसिकता को रद्द करते हुए शान्ति में बैठते हैं और अपने आपको आत्मा की गहरी शान्ति में ले जाते हैं तो कुछ अच्छा होने के लिए जादुई परिवर्तन हो सकता है।

लोग आपको बेहतर समझने लगेंगे, नये द्वार खुल जायेंगे, दोस्तों के फोन आने लगेंगे और आपके जकड़ी हुई गर्दन आरामदायक स्थिति में लौटने लगेगी। राजयोग हमें सिखाता है कि एक कदम पीछे आकर जिन्दगी का अवलोकन करें, शान्ति से श्वांस लें, अपने प्रतिक्रियाओं को शीतल करें फिर अपने चयन अनुसार एक कदम आगे बढ़ायें जो कि दूसरों की सोच और इच्छाओं से स्वतंत्र हो। राजयोग आपको स्वतंत्र बनाता है।

ऊर्जा से भरा हुआ स्वस्थ खाद्यान्न

परिवार और मित्रों के साथ आमने-सामने बिताया हुआ गुणवत्तापूर्ण समय पार्क के किसी कोने में शान्ति से बैठकर या फिर किसी बगीचे में सूरज की हल्की धूप और खुली हवा का आनन्द लेते हुए स्वयं के साथ बिताया हुआ वास्तविक समय हम मानव हैं मानव मशीन नहीं। जब हम अपनी व्यस्त होना और हांसिल करने की लत को कर्म में लाते हैं और उसके बाद एक जगह आरामदायक स्थिति में बैठकर केवल भरपूर श्वांस लेते हैं तब हम अपने शरीर को स्वस्थ होने का और पुन-सन्तुलन में लाने का समय देते हैं। अपने अस्त-व्यस्त जीवन से एक कदम पीछे हटकर अपने आपको अलग कर खुद को साक्षी होकर देखना यह एक बहुत बड़ी चुनौती होकर रह गई है। खुद को साक्षी होकर देखने का यह समय हमें परिस्थितियों में अधिक उलझना और अधिक भावनाप्रधान बनने से थोड़े से अन्तर पर रखने की समझ देता है। सारे दिन के अनुभवों का निचोड़ निकालते हुए याद रखें कि अपने जीवन के आप ही कर्ता-धर्ता हो।

समझदारीपूर्ण जीवन पद्धति

जब आप अपनी ऊर्जा को समझते हैं तब आप मास्टर बनते हैं। जो भोजन आप खाते हो उसके प्रति सजग हो जायें, कितना खा रहे हैं और कितनी गति से खा रहे हैं। मांस हारमोन्स से भरा हुआ होता है जिसकी शरीर को आवश्यकता नहीं होती है। हमारी कल्पना से भी बाहर शराब के दुष्परिणाम हैं। धीमा आहार ही एक परियाय है। वनस्पति आधारित भोजन से हमारे शरीर के अवयवों पर कम भार पड़ता है और हम अपनी जीवन शक्ति को बचा सकते हैं। समझदारीपूर्ण सोच रखें, समझकर खायें और समझदार बनें, आपका मन और शरीर आपको गहरी नींद की बख्सीस देगा और आपकी एकाग्रता को बढ़ायेगा। वास्तव में आपको अपने अधिकतर समय का कैसे इस्तेमाल करना है इसका नियोजन करने की आवश्यकता है।

समय आपको चला रहा है या आप समय को चला रहे हैं

हम समय के निर्माता हैं, हम अपने समय को नियोजित करने के लिए डायरी और फोन रिमाइन्डर का इस्तेमाल करते हैं। उसी तरह से हम अपनी आत्मा को पोषित करने के लिए भी आराम से समय निकाल सकते हैं। तो क्यों ना हम वो समय निकालें। जब आप एकान्त में अपने आन्तरिक स्व के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताते हैं तो ऊर्जा के नियम के अनुसार आप दूसरों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने की समझ रखते हैं। आप अच्छा सुनेंगे, सही टिप्पणियाँ लेंगे और सही निर्णय निर्देशित करेंगे जिससे समय की बचत होगी। और आप देखेंगे कि इसके परिणाम आपको उत्साहित करेंगे।

मज़े करो, शान्त रहो

आपकी बेहतर नियोजन के बाद भी अगर परिस्थितियाँ चिढ़ उत्पन्न करने वाली बनी रहती हैं तो कम से कम आप शान्त तो रह सकते हैं और उबलते हुए क्रोध के फटने से व्यर्थ होने वाली अपनी ऊर्जा को बचा सकते हैं। जब आपके समय और शक्ति का अपव्यय होता है तब वो आपको लम्बे समय तक याद रहता है। तो समय के प्रति सजग हो जायें और अपनी बिखरी हुई शक्ति को उचित योग्य दिशा देने का नया रास्ता खोज निकालें। स्क्वैश खेलिए, पुरानी चीजों से निजात पाइये, अपने बाथरूम को ठीक कीजिए, अपने पेट को घुमाने ले जाइये, शान्त रहिये। जो भी कुछ आपके आस-पास हो रहा है उस स्थिति में शान्त रहिये।

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल के प्लेऑफ का कार्यक्रम

बेंगलुरु की जगह अहमदाबाद में होगा आईपीएल का फाइनल मैच

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ और फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बेंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बेंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। परंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बेंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी।

बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि धर्मशाला में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और दूसरा क्वालीफायर मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मंगलवार 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा। इसको जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालीफायर 2 खेलेगी। वहीं अगले दिन यानी बुधवार 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में क्वालीफायर 1 में जीतने वाली टीम से खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुक्रवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम की टक्कर फाइनल में होगी। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एक मैदान पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1 अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ का पूरा शेड्यूल

क्वालिफायर-1

26 मई : हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, धर्मशाला
इस मुकाबले में अंक तालिका की शीर्ष दो टीमें भिड़ेंगी। विजेता सीधे फाइनल में पहुंचेगा।

एलिमिनेटर

27 मईः न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ (मुल्लांपुर)
तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के बीच मुकाबला। हारने वाली टीम बाहर होगी।

क्वालिफायर-2

29 मईः न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ (मुल्लांपुर)
क्वालिफायर-1 की हारने वाली टीम बनाम एलिमिनेटर की विजेता टीम। जीतने वाली टीम फाइनल में और हारने वाली टीम बाहर।

फाइनल

31 मई : नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद।
क्वालिफायर-1 की विजेता टीम और क्वालिफायर-2 की विजेता टीम के बीच सीजन का खिताबी मुकाबला।

न्यू चंडीगढ़ लगातार दूसरे साल आईपीएल प्लेऑफ की मेजबानी करेगा

न्यू चंडीगढ़ में स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम एक बार फिर ज़ोरदार क्रिकेट एक्शन का गवाह बनने के लिए तैयार है, क्योंकि इसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्लेऑफ़ मैचों की मेज़बानी के लिए चुना गया है। यह लगातार दूसरा साल है जब न्यू चंडीगढ़ में स्थित इस आधुनिक सुविधा को इन अहम मैचों की मेज़बानी के अधिकार दिए गए हैं।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, यह स्टेडियम बेहद अहम एलिमिनेटर और क्वालिफ़ायर-2 मैचों के लिए स्थल के रूप में काम करेगा।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के अध्यक्ष अमरजीत मेहता ने आने वाले आयोजनों को लेकर अपना भरोसा जताते हुए कहा कि एसोसिएशन इस ज़िम्मेदारी को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि पिछले साल इस स्टेडियम में प्लेऑफ़ मैचों के सफल आयोजन ने बीसीसीआई के एक बार फिर पीसीए पर भरोसा करने के फ़ैसले में अहम भूमिका निभाई। मेहता ने ज़ोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा कि ये मैच प्रशंसकों और खिलाड़ियों, दोनों के लिए यादगार बनें।

आईपीएल के प्लेऑफ़ और फ़ाइनल की मेज़बानी छिनने से केएससीए निराश

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने आईपीएल 2026 के प्लेऑफ़ और फ़ाइनल की मेज़बानी के लिए नज़रअंदाज़ किए जाने पर अपनी निराशा ज़ाहिर की है, जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा वेन्यू के बँटवारे को लेकर अभी भी सवाल उठ रहे हैं।

बुधवार (6 मई) को जारी एक विस्तृत स्पष्टीकरण में, केएससीए ने कहा कि उसने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्लेऑफ़ मैचों की मेज़बानी करने के लिए अपनी तैयारी, इच्छा और गहरी दिलचस्पी के बारे में औपचारिक रूप से जानकारी दी थी, और अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने इस मामले पर बीसीसीआई से व्यक्तिगत रूप से बात भी की थी।

बयान में कहा गया, शुरुआत में ही, केएससीए इस बात पर निराशा ज़ाहिर करता है कि आईपीएल प्लेऑफ़ मैच दूसरे केंद्रों को दे दिए गए हैं, और साथ ही इस बात पर भी ज़ोर दिया गया कि बेंगलुरु ने इस सीज़न में अपने पाँच लीग मैचों का आयोजन सफलतापूर्वक किया था। मौजूदा सीज़न में बेंगलुरु में आयोजित आईपीएल मैचों की सुचारू व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, परिचालन दक्षता और दर्शकों के समग्र अनुभव के लिए व्यापक रूप से सराहना की गई थी।

दिल्ली 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली

दिल्ली को 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 की मेज़बानी के लिए चुना गया है, बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसकी पुष्टि की।

इस टूर्नामेंट में 35 से ज़्यादा देश हिस्सा लेंगे और इसका आयोजन यहाँ त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक किया जाएगा। इस चैंपियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) मिलकर करेंगे। इसमें हिस्सा लेने वाले देशों में इंग्लैंड, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, सिंगापुर, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो शामिल हैं। पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का विश्व स्तरीय खेल आयोजनों की सफलतापूर्वक मेजबानी करने का एक लंबा इतिहास रहा है और कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप वैश्विक खेल मानचित्र पर राजधानी की स्थिति को और मज़बूत करेगी।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग

अभिषेक शर्मा ताजा टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

दुबई

भारतीय बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा आईसीसी टी-20 खिलाड़ियों की ताज़ा रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार रहे।अभिषेक 875 अंकों के साथ चार्ट में सबसे आगे हैं, उनके बाद किशन 871 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। शीर्ष 10 में उनके साथ तिलक वर्मा भी शामिल हैं, जो छठे स्थान (742) पर हैं, और भारत के टी 20 कप्तान सूर्यकुमार यादव सातवें स्थान (722) पर हैं। बांग्लादेश के कई व्हाइट-बॉल (सीमित ओवरों के क्रिकेट) सितारों ने इस ताज़ा अपडेट में बड़ी बढ़त हासिल की है। तौहीद हृदोय सबसे ज़्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने टी20 बल्लेबाज़ों की सूची में दो स्थान की छलांग लगाते हुए 37वां स्थान हासिल किया। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास (एक स्थान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर) भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने रैंकिंग में सुधार किया है। टी-20 गेंदबाज़ों की ताज़ा रैंकिंग में भी कुछ ऐसी ही कहानी देखने को मिली, जिसमें बांग्लादेश के दो गेंदबाज़ - महेदी हसन (एक स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर) और शोरिफुल इस्लाम (नौ स्थान ऊपर चढ़कर 54वें स्थान पर) - ब्लैक कैप्स (न्यूज़ीलैंड) के खिलाफ गेंदबाज़ी में अच्छे प्रदर्शन के बाद रैंकिंग में ऊपर चढ़े हैं।

न्यूज़ीलैंड के दो गेंदबाज़ - बेन सियर्स (10 स्थान ऊपर चढ़कर 51वें स्थान पर) और ईश सोढ़ी (चार स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 88वें स्थान पर) - ने भी गेंदबाज़ी चार्ट में अपनी स्थिति मजबूत की है।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था: कोच जयवर्धने

मुम्बई

मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें।

रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है। इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं। वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की।अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते दिखेंगे। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए, मुंबई इंडियंस को अपने बाकी बचे चारों मैच जीतना अनिवार्य है। इसके साथ ही, उन्हें बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी ताकि उनका नेट रन रेट बेहतर हो सके।

केएससीए का आईपीएल टिकट घोटाले में अपनी भूमिका से इनकार

बेंगलुरु

आईपीएल 2026 टिकटों की कथित कालाबाज़ारी के रैकेट को लेकर बढ़ती जांच-पड़ताल के बीच, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने बुधवार को एक कड़ा स्पष्टीकरण जारी करते हुए खुद को चल रही जांच से अलग कर लिया। हालांकि, बेंगलुरु पुलिस की जांच में कथित तौर पर एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा किया गया है, जिसमें अंदरूनी लोग, कॉर्पोरेट आवंटन और क्रिकेट जगत से जुड़े कुछ व्यक्तियों के साथ संदिग्ध संबंध शामिल हैं। केएससीए के प्रवक्ता विनय मृत्युंजय ने जोर देकर कहा कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैचों के लिए आम जनता को टिकट बेचने में संघ की कोई भी भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि आम जनता के लिए टिकटों की बिक्री पूरी तरह से फ्रेंचाइजी के अधिकृत प्लेटफॉर्म और टिकटिंग पार्टनर्स के माध्यम से की जाती थी, जबकि केएससीए को केवल संबद्ध क्लबों, स्थायी सदस्यों और चुनिंदा वैधानिक प्राधिकरणों के लिए एक सीमित कोटा मिलता था।संघ ने उन रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया जिनमें उसे इस मामले के आरोपियों से जोड़ा जा रहा था।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 : सनराइजर्स हैदराबाद शीर्ष पर पहुंचा

कूपर कोनोली की शतकीय पारी गई बेकार,पंजाब 33 रनों से हारा

हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 49वें मुकाबले में पंजाब किंग्स को 33 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही वह 11 मैचों में 7 जीत के साथ अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई, जबकि पंजाब दूसरे स्थान पर है

कल यहां पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की सलामी जोड़ी ने आतिशी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 54 रन जोड़े। चौथे ओवर में लॉकी फ़र्ग्युसन ने अभिषेक शर्मा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अभिषेक शर्मा ने 13 गेंदों मे दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 35 रन बनाये। इसके बाद सातवें ओवर में यजुवेंद्र चहल ने ट्रेविस हेड को अपना शिकार बना लिया। ट्रेविस हेड ने 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 38 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी कर रहे इशान किशन और हाइनरिक क्लासन के सामने पंजाब के खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन देखने को मिला और उन्होंने कई कैच छोड़े। 15वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने इशान किशन को आउट किया। इशान किशन ने 32 गेंदों में दो चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 55 रनों की पारी खेली। सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 235 रनों का स्कोर खड़ा। पारी की आखिरी गेंद पर हाइनरिक क्लासन कैच आउट हुये। क्लासन ने 43 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 69 रनों की पारी खेली। नीतीश कुमार रेड्डी ने 13 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 29 रन बनाये।पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह, लॉकी फ़र्ग्युसन, विजयकुमार वैशाक और यजुवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।पंजाब किंग्स की शुरुआत इस मैच में टारगेट का पीछा करते हुए काफी खराब देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपने दोनों ओपनिंग बल्लेबाज प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह को 4 के स्कोर पर गंवा दिया था। वहीं इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर भी इस मैच में सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए। यहां से कूपर कोनोली ने एक छोर से पारी को संभाले रखा जिसमें उन्होंने रनों की गति को बरकरार रखने की कोशिश की लेकिन दूसरे छोर से उन्हें उम्मीद के अनुसार साथ नहीं मिला। कोनोली के बल्ले से इस मैच में 59 गेंदों में 107 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली लेकिन वह पंजाब किंग्स को जीत दिलाने में कामयाब नहीं हो सके। पंजाब किंग्स इस मैच में 20 ओवर्स में 7 विकेट के नुकसान पर 202 रनों का स्कोर ही बनाने में कामयाब हो सकी। सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से गेंदबाजी में उनके कप्तान पैट कमिंस और शिवांग कुमार ने 2-2 विकेट हासिल किए तो वहीं नितीश कुमार रेड्डी, ईशान मलिंगा और साकिब हुसैन 1-1 विकेट लेने में कामयाब रहे।

नीदरलैंड्स ने महिला टी-20 विश्वकप के लिए अपनी टीम की घोषणा की

एम्स्टर्डम

पहली बार आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में हिस्सा लेने वाली नीदरलैंड्स ने इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले वैश्विक टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालिफायर के सुपर सिक्स स्टेज के दौरान तीन मैचों में तीन जीत के बाद नीदरलैंड्स ने महिला टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पहली बार क्वालिफिकेशन हासिल था।कैप्टन डी लीडे वर्ल्ड स्टेज पर टीम की स्किल्स दिखाने और कुछ क्राउड सपोर्ट पाने के लिए उत्सुक हैं।

नीदरलैंड महिला टीमः बैबेट डी लीडे (कप्तान), कैरोलिन डी लैंग, फ्रेडरिक ओवरडिज्क, हन्ना लैंडहीर, हीथर सीगर्स, आइरिस जूविलिंग, इसाबेल वैन डेर वोनिंग, लारा लीमहुइस, मर्थे वैन डेन राड, फेबे मोलकेनबोअर, रॉबिन रिज्के, रोजली लॉरेंस, सान्या खुराना, सिल्वर सीगर्स और स्टेरे कैलिस।

हमारा वर्ल्ड कप होस्ट फीफा है,ट्रंप या अमेरिका नहीं: ईरान

तेहरान

ईरान के फुटबॉल प्रमुख का कहना है कि उनके वर्ल्ड कप का होस्ट फीफा है, न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका और उन्होंने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रति सम्मान की मांग की है, अगर राष्ट्रीय टीम को इस गर्मी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करनी है।अमेरिका और इज़राइल के साथ युद्ध के कारण वर्ल्ड कप में ईरान की भागीदारी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। ईरानी एफए के प्रमुख मेहदी ताज उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, जो पिछले सप्ताह वैंकूवर में फीफा कांग्रेस से पहले कनाडाई सीमा से वापस लौट आया था, क्योंकि उन्हें लगा कि आव्रजन अधिकारियों द्वारा उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। ताज ने कहा कि घर लौटने का फैसला उनका अपना था, लेकिन कनाडा के आव्रजन मंत्री ने संसद में पुष्टि की कि ईरानी एफए अध्यक्ष का वीज़ा उस समय रद्द कर दिया गया था जब वे हवाई जहाज़ में थे, क्योंकि आईआरजीसी के साथ उनके संबंध थे।आईआरजीसी की स्थापना ईरान की इस्लामी व्यवस्था की रक्षा के लिए की गई थी।

सीनियर महिला, इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 टीमों की द्विपक्षीय सीरीज के लिए वेन्यू और कार्यक्रम की घोषणा

मुंबई

बीसीसीआई ने सीनियर महिला, इंडिया ए (पुरुष और महिला) और इंडिया अंडर-19 (पुरुष और महिला) टीमों से जुड़ी आने वाली द्विपक्षीय सीरीज़ के लिए वेन्यू और कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।इस शेड्यूल में कई फ़ॉर्मेट के मुक़ाबलों की एक लाइन-अप शामिल है, जिसमें भारत आने वाले घरेलू सीजन के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए (पुरुष और महिला), इंग्लैंड ए महिला, जिम्बाब्वे महिला, ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 पुरुष, इंग्लैंड अंडर-19 महिला और श्रीलंका अंडर-19 महिला टीमों की मेजबानी करेगा। भारतीय महिला टीम अक्टूबर 2026 में जिम्बाब्वे महिला टीम की मेज़बानी करेगी। यह एक व्हाइट-बॉल सीरीज़ होगी जिसमें तीन टी-20 और उतने ही वनडे मैच खेले जाएँगे। टी-20 सीरीज़ रायपुर में खेली जाएगी, जबकि बड़ौदा इस दौरे के वनडे मैचों की मेज़बानी करेगा।इंडिया ए (पुरुष) का मुक़ाबला ऑस्ट्रेलिया ए से एक सीरीज़ में होगा, जिसमें दो मल्टी-डे मैच और तीन वनडे मैच शामिल हैं। ये सभी मैच सितंबर और अक्टूबर 2026 के बीच पुडुचेरी में खेले जाएँगे। इंडिया अंडर-19 पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की मेज़बानी करेगी। यह पाँच मैचों का दौरा होगा, जिसमें राजकोट में तीन वनडे मैच खेले जाएँगे, जिसके बाद राजकोट और अहमदाबाद में क्रमशः दो मल्टी-डे मैच होंगे। इंडिया ए महिला टीम सितंबर 2026 में ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम की मेज़बानी करेगी। यह एक मल्टी-फ़ॉर्मेट सीरीज़ होगी जिसमें मोहाली और धर्मशाला में तीन टी-20, तीन वनडे मैच और एक मल्टी-डे मैच शामिल होंगे। सीजन में बाद में, इंडिया ए महिला टीम इंग्लैंड ए महिला टीम के खिलाफ़ एक और मल्टी-फ़ॉर्मेट सीरीज खेलेगी, जो पुणे और नवी मुंबई में आयोजित की जाएगी। भारतीय अंडर-19 महिला टीम नवंबर और दिसंबर 2026 में बड़ौदा और सूरत में इंग्लैंड अंडर-19 महिला टीम की मेज़बानी करते हुए पाँच मैचों की टी-20 सीरीज़ खेलेगी। टीम जून और जुलाई 2026 में चेन्नई और पुडुचेरी में श्रीलंका अंडर-19 महिला टीम के खिलाफ़ छह मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेलेगी।

भारत ने अंडर-15 वर्ग में 27 मेडल पक्के किए

ताशकंद

उज़्बेकिस्तान के ताशकंद में चल रही एशियाई बॉक्सिंग अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में, भारत के युवा बॉक्सरों ने अंडर-15 वर्ग में कुल 30 संभावित मेडलों में से 27 मेडल आधिकारिक तौर पर पक्के कर लिए हैं। अपना पूरा दबदबा दिखाते हुए, अंडर-15 लड़कियों की टीम ने 15 में से 14 मेडल पक्के किए, जबकि अंडर-15 लड़कों ने भी लगभग वैसा ही प्रदर्शन करते हुए 15 में से 13 मेडल पक्के किए। इस प्रदर्शन ने देश के लिए एक ऐतिहासिक पोडियम फिनिश (शीर्ष स्थान) की नींव रख दी है।

चैंपियंस लीग : साका की बदौलत आर्सेनल ने फाइनल में जगह बनाई

लंदन

सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड पर 1-0 की शानदार घरेलू जीत के साथ आर्सेनल ने इतिहास में दूसरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ ही टीम ने सेमीफाइनल में 2-1 की कुल स्कोरिंग जीत हासिल की। आधे समय से ठीक पहले कप्तान बुकायो साका के एक गोल ने आर्सेनल को निर्णायक बढ़त दिलाई। मेजबान टीम ने इस सीजन में अपना नौवां क्लीन शीट हासिल किया। मिकेल आर्टेटा की टीम 30 मई को बुडापेस्ट के पुस्कास एरीना में मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन, जिसने उन्हें पिछले सीजन के सेमीफाइनल में हराया था, या बायर्न म्यूनिख का सामना करेगी। आर्सेनल ने इससे पहले केवल एक बार 2006 में चैंपियंस लीग फाइनल खेला था, जिसमें उन्हें बार्सिलोना से हार का सामना करना पड़ा था।दोनों लेग के खेल में आर्सेनल ने एटलेटिको पर मामूली बढ़त हासिल की, जिसकी आक्रामक आक्रमण पंक्ति को उत्तरी लंदन में तनावपूर्ण और फिर असीम खुशी से भरी रात में काफी हद तक काबू में रखा गया था।

प्रतिबंध : सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर सख्ती, पुलिस कमिश्नर ने जारी किया आदेश

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में सोशल मीडिया के माध्यम से फैल रही आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा। पुलिस को लगातार ऐसी सूचनाएं मिल रही थी कि फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर असामाजिक तत्वों द्वारा आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और संदेश प्रसारित कर दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने की कोशिश की जा रही है। कई मामलों में इन पोस्ट पर किए गए कमेंट और क्रॉस कमेंट से स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो जाती है, जिससे कानून-व्यवस्था पर खतरा उत्पन्न होता है।

आपत्तिजनक संदेश, फोटो, वीडियो या ऑडियो प्रसारित करना पूरी तरह प्रतिबंधित, उल्लंघन करने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

जारी आदेश के अनुसार, अब कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया का उपयोग धार्मिक, सामाजिक या जातिगत भावनाओं को भड़काने के लिए नहीं कर सकेगा। आपत्तिजनक संदेश, फोटो, वीडियो या ऑडियो प्रसारित करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही ऐसे पोस्ट को लाइक, शेयर, कमेंट या फॉरवर्ड करने पर भी रोक लगाई गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया ग्रुप के एडमिन की जिम्मेदारी होगी कि वह अपने ग्रुप में इस तरह की सामग्री को प्रसारित होने से रोके। इसके अलावा अफवाह फैलाने, तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने या लोगों को एकत्रित कर गैरकानूनी गतिविधियों के लिए उकसाने वाले संदेशों पर भी सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में साइबर कैफे संचालकों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए है। किसी भी अज्ञात व्यक्ति को बिना वैध पहचान पत्र के साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा।

सभी उपयोगकर्ताओं का पूरा रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा, साथ ही वेब कैमरा के माध्यम से उनकी फोटो सुरक्षित रखना भी जरूरी किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि यह आदेश शहर में शांति और सामुदायिक सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्राध्यापक संघ का अल्टीमेटम, समाधान नहीं तो आंदोलन, भुगतान में देरी व अव्यवस्था से नाराज

उच्च शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर संघ ने उठाए सवाल, जताई भ्रष्टाचार की आशंका

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सेवानिवृत्ति दावों के भुगतान में 6 महीने से लेकर एक साल तक की देरी सहित उच्च शिक्षा विभाग की अव्यस्थाओं और मनमाने आदेशों पर प्रांतीय शासकीय प्राध्यापक संघ ने कड़ी आपत्ति जताई है। संघ के अनुसार कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी वित्तीय लाभ मिलना चाहिए, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में अनावश्यक विलंब हो रहा है और इसमें भ्रष्टाचार की आशंका भी जताई गई है। उनका कहना है कि समय-समय पर मुद्दे उठाने और न्यायोचित कार्रवाई के लिए आग्रह के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। संघ की ओर से चेतावनी दी गई है कि यदि अब व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो संगठन सडक़ों पर उतरकर आंदोलन करेगा।

आपत्ति : सीनियर की सीआर लिख रहे जूनियर

संघ के संरक्षक प्रो. कैलाश त्यागी ने बताया कि अर्जित अवकाश के भुगतान भी कई मामलों में पांच-पांच साल से लंबित हैं। इसके अलावा सेवानिवृत्त प्राध्यापकों के एरियर और जीआईएस की राशि अब तक नहीं दी गई है। शिक्षकों को जनगणना जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने से शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है। वहीं सार्थक ऐप की तकनीकी खामियां भी लगातार परेशानी का कारण बनी हुई हैं। कुछ महाविद्यालयों में कनिष्ठ कर्मचारियों द्वारा प्राध्यापकों की गोपनीय रिपोर्ट लिखे जा रहा है, जो कि सरकारी नियमों का खुला उल्लंघन है। यह न सिर्फ मानसिक प्रताडऩा है,बल्कि प्रोफेसरों के भविष्य से खिलवाड़ है।

समाधान नहीं तो प्रवेश प्रक्रिया शुरू होते ही आंदोलन

संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक उदासीनता और बार-बार जारी हो रहे आदेशों से शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। वर्ष 2004-05 में नियुक्त शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि अब तक समाप्त नहीं की गई गई। इससे प्राध्यापक आर्थिक और मानसिक दबाव में हैं। साथ ही खेल अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष करने की मांग भी रखी गई है। संघ का कहना है कि यदि इन सभी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होते ही व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

एक लाख, 86 हजार 868 रुपए आधा दर्जन से अधिक खातों में ट्रांसफर कराए

- **सिक्योरिटी कंपनी की महिला प्रबंधक के साथ फर्जीवाड़ा**

भोपाल (नगर संवाददाता)

आईसीआईसीआई सिक्योरिटी कंपनी की महिला प्रबंधक के साथ एक लाख, 86 हजार, 868 रुपए की सायबर धोखाधड़ी हुई है। इस मामले में उन्होंने सायबर सेल की राष्ट्रीय हेल्प लाइन से मदद मांगी थी। जिसके बाद उनका मामला शाहपुरा थाने में पहुंचा दिया गया। पुलिस ने जालसाजी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस के अनुसार यह फर्जीवाड़ा एक मई को हुआ था। शिकायत भावना रमपुरया पिता रामदास रमपुरया ने दर्ज कराई है। वह दाना पानी रोड पर प्रियदर्शिनी अधिष्ठान में रहती हैं। भावना रमपुरया मालवीय नगर सिति आईसीआईसीआई सिक्योरिटी कंपनी में मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास व्हाट्स एप पर कॉल आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने क्वाईन बेस प्लेटफार्म की तरफ से एक प्रस्ताव दिया। उसने कहा कि यदि वह ऑनलाइन प्रोफाइल बनाती है तो उन्हें लाभ होगा। ऐसा करने पर उन्हें जालसाजों ने उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते में 160 रुपए भी जमा कराए थे। इसके बाद जालसाजों ने बाजार में निवेश करने के नाम पर मुनाफा होने का लालच दिया। आरोपियों ने एक्सिस, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में अलग-अलग छह किस्त में पैसा जमा करा लिया। इसके बाद रात नौ बजे जालसाजों ने बोला कि कंपनी रात नौ बजे के बाद काम नहीं करती है। अगले दिन पीड़िता ने संपर्क किया तो उन्हें बताया गया कि उनका खाता ब्लॉक हो गया है। जिसे अनब्लॉक कराने के लिए एक लाख, 46 हजार रुपए जमा करने होंगे। उन्हें फर्जीवाड़ा का अहसास होते ही उन्होंने सायबर क्राइम को सूचना दे दी। पुलिस ने इस मामले में मंगलवार को जालसाजी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

संदेह के आधार पर क्राइम ब्रांच समेत अन्य जांच एजेंसियां कर रही पूछताछ

बंगाली युवक से 500 के 280 नकली नोट बरामद

- **आरोपी के कब्जे से मिले दो मोबाइल नंबर की भी पड़ताल जारी**

भोपाल (नगर संवाददाता)

पश्चिम बंगाल का एक युवक भारी मात्रा में नकली नोट के साथ दबोचा गया है। उसके देश-विरोधी ताकतों से जुड़े होने की संभावनाओं को लेकर क्राइम ब्रांच के अफसर भी पूछताछ कर रहे हैं। आरोपी के खिलाफ फिलहाल कोहेफिजा थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। उसे अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार संदेही को सैफिया कॉलेज मैदान के पास से हिरासत में लिया गया। आरोपी सैफुल इस्लाम पिता अनवर उल इस्लाम उम्र 28 साल है। वह पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले का रहने वाला है। आरोपी सैफुल इस्लाम शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित ई-8 अरेरा कॉलोनी के सत्यम अपार्टमेंट में किराए से रहता है। उसने पूछताछ में बताया है कि वह कोलकाता की एक कंपनी में नौकरी करता है। उसी कंपनी के लिए वह भोपाल में पत्नी के साथ रहते हुए काम करता है। पुलिस को उसकी तलाशी लेने पर दो मोबाइल फोन के अलावा 500-500 रुपए के 280 नकली नोट मिले हैं। उसके पास से बरामद नकली नोट चार गड्डियों में थे। पुलिस ने बरामद नोट की कीमत एक लाख, 40 हजार रुपए बताई है। नोटों के परीक्षण में एक नंबर की सीरीज के कई नोट मिले हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नकली नोट रखने और उसे चलाकर देश की आर्थिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद जिला अदालत में पेश किया गया। वहां से पूछताछ के लिए उसे छह दिन की रिमांड पर लिया गया है।

आरोपी ने दस हजार के नोट चलाए

पुलिस का कहना है कि आरोपी ने दस हजार रुपए के नोट चला दिए हैं। वह किन स्थानों पर चलाए गए उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। इसके अलावा उसने पूछताछ में बताया है कि उसे नकली नोट की खेप कोलकाता से मिली थी। पुलिस उस व्यक्ति के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा आरोपी जिस कंपनी में काम करता है उसकी मौजूदगी के संबंध में पड़ताल कर रही है। इधर, आरोपी के कब्जे से बरामद दोनों मोबाइल के कॉल डिटेल को निकालने का काम सायबर क्राइम ने शुरु कर दिया है।

निरीक्षण करने पहुंचे कुलगुरु को प्राचार्य मिले अनुपस्थित

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एसके जैन बुधवार को विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रक्रिया देखने अचानक शासकीय महाविद्यालय बरेली और सिलवानी समेत कुछ परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बरेली कॉलेज में प्राचार्य कार्यस्थल से गायब दिखा। कुलगुरु ने नाराजगी व्यक्त कर प्राचार्य को अंतिम चेतावनी दी। कुलगुरु जैन ने यह निरीक्षण विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के सफल एवं सुचारु संचालन के लिए शुरू किया है। निरीक्षण के दौरान स्थल पर ही कॉलेज की समस्याओं का समाधान भी कर देते हैं। कुलगुरु आज बरेली शासकीय महाविद्यालय पहुंचे। यहां परीक्षा कक्ष, कंट्रोल रूम, समेत अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। कुलगुरु ने केंद्र अध्यक्ष से विषय बार एवं कक्षबार छात्रों की जानकारी चाही गई। प्रश्न पत्र, उत्तर पुस्तिकाओं के स्टॉक रजिस्टर, क्षकों की संख्या एवं, उनकी समस्त जानकारी भी केंद्र अध्यक्ष से मांगी। निरीक्षण के दौरान केंद्र अध्यक्ष एवं प्राचार्य परीक्षा केंद्र पर उपस्थित नहीं थे। आनन फानन में उन्हें वहां बुलाया गया।

'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' को मुख्यमंत्री आज हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 7 मई को सुबह 10 बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म-1 से 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' के प्रथम जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

प्रबंधन करने वाली सभी एजेंसियों का बनेगा संयुक्त कंट्रोल रूम

सिंहस्थ के लिए बन रहा एआई आधारित भीड़ नियंत्रण सिस्टम

संभावित कठिनाई के मद्देनजर विकसित की जा रही नई आधारभूत संरचनाएं

- **पिछले सिंहस्थ की तुलना में तीन गुना अधिक चलेंगी ट्रेनें**

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

सिंहस्थ 2028 के सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन के संबंध में कार्य योजना बनायी गयी है। सिंहस्थ का आयोजन 9 अप्रैल स 8 मई तक प्रस्तावित है। इसमें लगभग 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। शाही स्नान के अवसरों पर एक ही दिन में लगभग 5 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। यह जानकारी बुधवार को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में पुलिस, रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय समन्वय बैठक में दी गयी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी एवं एआई आधारित क्राउड मॉनिटरिंग सिस्टम, बैकअप पावर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, साइबर सुरक्षा, वेंडर मैनेजमेंट एवं एक्सेस कंट्रोल को सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही संयुक्त प्रशिक्षण, मेडिकल टीमों की उपलब्धता एवं त्वरित प्रतिक्रिया दलों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी।

इस बैठक में उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि लगभग 3100 हेक्टेयर क्षेत्र में मेला विकसित किया जा रहा ह। घाटों का विस्तार लगभग 37 किलोमीटर तक किया जा रहा है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार प्रति एक किलोमीटर घाट पर निर्धारित समय में हजारों श्रद्धालुओं के स्नान की क्षमता विकसित कर बड़े स्तर पर भीड़ प्रबंधन की योजना बनाई गई है।

रेल से ढाई करोड़ से अधिक यात्रियों के आने की संभावना

उन्होंने बताया कि विभिन्न स्रोतों के विश्लेषण के आधार पर इंदौर-देवास मार्ग से सर्वाधिक आवागमन तथा रेलवे के माध्यम से 2 से 2.5 करोड़ यात्रियों के आगमन की संभावना को ध्यान में रखते हुए व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसमें नए फुट ओवर ब्रिज, सैटेलाइट स्टेशन विकास, त्रिस्तरीय पार्किंग आदि सुविधा की आधारभूत संरचना विकसित की जायेगी। ट्रेन संचालन के लिए विशेष रणनीति के तहत 2016 की तुलना में तीन गुना अधिक विशेष ट्रेनें चलायी जायेंगी। सके साथ ही पेंडुलम मूवमेंट आधारित शॉर्ट-डिस्टेंस मेला ट्रेनें चलायी जायेंगी।

भीड़ प्रबंधन को लेकर की गई चर्चा

बैठक में आगामी सिंहस्थ के दौरान संभावित अत्यधिक भीड़, यातायात प्रबंधन, रेल संचालन, सुरक्षा व्यवस्था तथा आधारभूत संरचना के विकास को लेकर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि आगामी सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ एवं जिला प्रशासन के मध्य बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस बार श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक रहने की संभावना है, जिसके लिए पूर्व से ही व्यवस्थित एवं चरणबद्ध योजना बनाई जा रही है। भीड़ प्रबंधन के लिए संयुक्त कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा शाही स्नान एवं अन्य प्रमुख अवसरों पर विशेष ट्रैफिक एवं भीड़ नियंत्रण योजना तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्राउड मैनेजमेंट के तहत एंट्री एवं एग्जिट मार्ग अलग-अलग रखे जाएं। अंतिम समय में प्लेटफॉर्म परिवर्तन से बचा जाए।

भीड़ का सटीक आंकलन सबसे महत्पूर्ण... पुलिस महानिदेशक ने उज्जैन, इंदौर, रतलाम, भोपाल के साथ-साथ ओंकारेश्वर रोड एवं सीहोर क्षेत्र के स्टेशनों को भी ध्यान रखने के लिए कहा गया। उत्तरप्रदेश डीजी (रेल) प्रकाश डी. ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 के अनुभव साझा करते हुए बताया कि बड़े आयोजनों में भीड़ का सटीक आकलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। डीजी आरपीएफ सोनाली मिश्रा ने कहा कि सिंहस्थ जैसे आयोजन में विभिन्न रेलवे जोनों—विशेष रूप से वेस्टर्न, वेस्ट सेंट्रल एवं सेंट्रल रेलवे के मध्य सुदृढ़ समन्वय अत्यंत आवश्यक है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसाई मनोहर, राजाबाबू सिंह, राकेश गुप्ता एवं संबंधित जिलों के पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौजूद रहे।

प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण सेवाएं होंगी मजबूत : राजेंद्र शुक्ल

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण सेवाओं को सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए एम्स भोपाल की ट्रांसप्लांट टीम और मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के बीच उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रत्यारोपण सेवाओं के विस्तार और वित्तीय सहायता बढ़ाने सहित कई अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

उपमुख्यमंत्री ने किडनी ट्रांसप्लांट के मौजूदा पैकेज में वृद्धि करने और हार्ट व लंग ट्रांसप्लांट को भी योजना में शामिल करने पर जोर दिया। साथ ही सीएम केयर फंड के जरिए प्रत्यारोपण गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।बैठक में ब्रेन-डेड डोनर्स की समय पर पहचान और अंग प्राप्ति प्रक्रिया को तेज व सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके तहत संभावित डोनर्स को जल्द एम्स भोपाल लाकर अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके अलावा रोबोटिक तकनीक के उपयोग को बढ़ाने पर भी विचार किया गया, जिससे सर्जरी की सटीकता और सफलता दर में सुधार हो सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रस्ताव

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया, जिससे अंग प्राप्ति और प्रत्यारोपण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित हो सके। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने ब्रेन-डेड अंगदाताओं को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे अंगदान के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और दानदाताओं के परिवारों को सम्मान मिलता है। प्रशासन का मानना है कि इन पहलों से प्रदेश में अंगदान और प्रत्यारोपण सेवाओं को नई गति मिलेगी।

समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने दिए निर्देश

विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करें

भोपाल (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने मंत्रालय में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों के साथ बैठक कर रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया, शैक्षणिक व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विश्वविद्यालय शासन के नियमों के अनुरूप रोस्टर तैयार कर शीघ्र भर्ती विज्ञापन जारी करें।

भर्ती और शैक्षणिक कैलेंडर पर जोर-मंत्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक, अकादमिक और प्रशासनिक सुधार के लिए रिक्त पदों की पूर्ति प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक कैलेंडर का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने और परीक्षा परिणाम समय पर घोषित करने के निर्देश दिए, ताकि अगले सत्र में प्रवेश, परीक्षा और परिणाम निर्धारित समय पर हो सकें।

छात्रावास और डिजिटल मूल्यांकन-उन्होंने छात्रावासों की सुविधाओं को बेहतर बनाने और निरीक्षण के लिए कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। साथ ही डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को तेजी से लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

भाषा शिक्षण और समर्थ पोर्टल

मंत्री ने अन्य भारतीय भाषाओं को क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम के रूप में लागू करने पर बल दिया। विभिन्न विश्वविद्यालयों को अलग-अलग भाषाओं के शिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें तमिल, कन्नड़, मराठी, तेलुगु, पंजाबी, सिंधी, गुजराती, असमिया और उड़िया शामिल हैं। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को समर्थ पोर्टल पर सक्रिय रूप से कार्य करने और हर विद्यार्थी का कम से कम एक कोर्स में पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

प्रशासनिक सुधार के निर्देश

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग सुधारने, लंबित पेंशन और अनुकंपा नियुक्ति मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बड़ा हादसा टला: मालीखेड़ी में भीषण आग से कबाड़ का गोदाम खाक

- **रहवासियों में मचा हड़कंप, नरवाई से आग भड़कने की आशंका**

भोपाल (नगर संवाददाता)

मालीखेड़ी स्थित एक कबाड़ के गोदाम में बुधवार दोपहर भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया। दमकलों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आगजनी की घटना दोपहर 12 बजे की है। मालीखेड़ी के ही एक रहवासी इलाके में यह गोदाम है। आग की वजह सामने नहीं आई, लेकिन इसकी वजह से आसपास रहने वाले लोग दहशत में आ गए। वे भी आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। ताकि, आग ज्यादा नहीं फैले। वहीं, फायर स्टेशन पर सूचना दी गई। दमकलें मौके पर पहुंची और आग बुझाई।

मालीखेड़ी में आग बुझाते दमकलकर्मी।

नरवाई की वजह से आग लगना आया सामने

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस जगह पर कबाड़ का गोदाम है, उसके पास खेत लगे हुए हैं। जहां पर नरवाई जलाने की बात सामने आई है। संभवत: नरवाई की वजह से ही गोदाम में भी आग लग गई। हालांकि, मामले में पुलिस जांच कर रही है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)